उत्तराखंड व उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित
हरिद्वार, देहरादून से प्रसारित

मनस्वी वाणी

केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त

राष्ट्रवादी विचारधारा को समर्पित दैनिक समाचार पत्र
आपका विश्वास हमारी पहचान

वर्ष: 4 अंक : 306 पृष्ठ : 06 मूल्य 2 रुपये देहरादून, शनिवार 06 जून, 2026 UTTHIN/2022/84700 manasvivani@gmail.com @manasvi_vani 8285002838

प्रदेश में नहीं घटेंगी सोलर प्रोजेक्ट से पैदा हुई बिजली की दरें, नियामक आयोग ने जारी किया आदेश

मनस्वी वाणी संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में बड़े, छोटे, घर की छतों पर लगे सोलर प्लांट की बिजली की दरों में कोई गिरावट या बढ़ोतरी नहीं होगी। उत्तराखंड विद्युत नियामक आयोग ने वित्तीय वर्ष 2026–27 के लिए सोलर प्रोजेक्ट, बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम (बीईएसएस) के लिए टैरिफ आदेश जारी कर दिया है। आयोग के अध्यक्ष एमएल प्रसाद, सदस्य विधि अनुराग शर्मा और सदस्य तकनीकी प्रभात किशोर डिमरी की पीठ ने बाजार के उतार–चढ़ाव और हितध ारकों के सुझावों को ध्यान में रखते हुए यह फैसला सुनाया है। आयोग ने जो ड्राफ्ट जारी किया था, उसमें सोलर पीवी

प्लांट के लिए टैरिफ घटाकर 3.96 रुपये प्रति यूनिट करने का प्रस्ताव रखा था। उरेडा और अन्य हितधारकों के पर्वतीय क्षेत्रों की भौगोलिक परिस्थितियों, भूमि अधिग्रहण की ऊंची लागत और सोलर मॉड्यूल की कीमतों में अस्थिरता का हवाला देने के बाद आयोग ने अपना फैसला बदला। अब वित्तीय वर्ष 2026–27 में भी पिछले साल की दर यानी 4.10 रुपये प्रति यूनिट का लाभ मिलता रहेगा।

घर की छत वालों की बिजली अब दो रुपये की

घर की छतों पर लगने वाले रूफटॉप सोलर और छोटे ग्रिड इंटरएक्टिव सोलर प्लांट को बढ़ावा देने के लिए आयोग ने नेट मीटरिंग व्यवस्था के तहत दो रुपये प्रति यूनिट की दर फाइनल की है ताकि उपभोक्ता बिजली का बिल कम कर आत्मनिर्भर बन सकें। वहीं, आयोग ने स्पष्ट किया कि एमएसएमई नीति के तहत मिलने वाली सब्सिडी को सोलर टैरिफ से घटाया नहीं जाएगा। यह लाभ सीधे तौर पर प्रोजेक्ट लगाने वाले युवाओं और उद्यमियों को ही मिलेगा।

दरों पर एक नजर(रुपये प्रति यूनिट)

परियोजना	2025–26	2026–27 की दर
सोलर पीवी (जमीन आधारित)–	4.10	4.10
रूफटॉप, छोटे प्लांट–	अज्ञात	2
कैनाल टॉप (नहर के ऊपर)–	4.48–	4.20
कैनाल बैंक (नहर के किनारे)–	4.31–	4.10
सोलर थर्मल	11.90	11.82

समतल जमीन पर बन रहे प्रोजेक्ट

आयोग ने साफ किया कि कैनाल बैंक सोलर प्रोजेक्ट्स असल में नहर की ढलान पर न बनकर पास की समतल जमीन पर ही बन रहे हैं, इसलिए इनकी दरें सामान्य सोलर प्लांट के बराबर 4.10 रुपये प्रति यूनिट रखी गई हैं। वहीं, सोलर थर्मल तकनीक काफी महंगी होने के कारण आयोग वर्ष 2027–28 से इसका टैरिफ तय नहीं करेगा।

स्व. भुवन चंद्र खण्डूडी का जीवन राष्ट्रसेवा, अनुशासन और समर्पण का उत्कृष्ट उदाहरण–अजय कोठियाल

कोटद्वार के दुर्गापुरी स्थित हल्दी हाथ वेडिंग प्वाइंट में मेजर जनरल (से. नि.) स्व. भुवन चंद्र खण्डूडी, ए.वी.एस.एम. की श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। श्रद्धांजलि सभा में कोटद्वार एवं आसपास के क्षेत्रों से आए विभिन्न सामाजिक संगठनों, जनप्रतिनिधियों तथा गणमान्य नागरिकों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित हुए मनिन्दरजीत सिंह बिट्टा ने सभा को संबोधित करते हुए स्व. भुवन चंद्र खण्डूडी के राष्ट्र एवं समाज के प्रति योगदान को स्मरण किया तथा उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला। सभा को संबोधित करते हुए अजय कोठियाल ने कहा कि स्व. भुवन चंद्र खण्डूडी का जीवन राष्ट्रसेवा, अनुशासन और समर्पण का उत्कृष्ट उदाहरण था। उन्होंने कहा कि उनके आदर्श और कार्य आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरित करते रहेंगे। कार्यक्रम में उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए ऋतु खण्डूडी भूषण ने अपने पिता से जुड़ी स्मृतियों को साझा किया। उन्होंने कहा कि उन्हें स्व. भुवन चंद्र खण्डूडी जी की पुत्री होने पर गर्व और गौरव का अनुभव होता है। उन्होंने कहा कि उनके पिता का अनुशासन, राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पण और समाज के प्रति उत्तरदायित्व भाव उनके जीवन की सबसे बड़ी प्रेरणा है। श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित सभी लोगों ने स्व. भुवन चंद्र खण्डूडी जी के योगदान को याद करते हुए उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम का समापन उनकी पुण्य स्मृति में दो मिनट का मौन रखकर किया गया।

कंपनी के टर्न ओवर में लगातार बढ़ोतरी, पर GST नहीं हो रहा था जमा, फर्जी बिल थे बनाए जा रहे, पड़ा छापा

देहरादून। राज्य कर विभाग की केंद्रीयकृत आसूचना इकाई (सीआईयू) की टीम ने हरिद्वार में इलेक्ट्रिकल गुड्स निर्माता कंपनी पर छापा मार कर 14 करोड़ की टैक्स चोरी का खुलासा किया। कार्रवाई के दौरान ने कंपनी ने 12 करोड़ का जीएसटी जमा कराया है। राज्य कर आयुक्त प्रतीक जैन के निर्देश पर सीआईयू टीम ने जीएसटी रिटर्न, ई–वे बिल व डाटा विश्लेषण की सूचना के आधार हरिद्वार में इलेक्ट्रिकल सामान बनाने वाली कंपनी छापा मारा। कार्रवाई में विभाग ने टैक्स संबधित दस्तावेज, डिजिटल डिवाइस भी जब्त किए। डिजिटल डाटा की जांच के लिए टीम ने फॉरेंसिक टीम की मदद ली। जांच में पाया गया कि कंपनी के टर्न ओवर में लगातार बढ़ोतरी हो रही है लेकिन जीएसटी कम जमा किया जा रहा था। विभाग ने इनपुट टैक्स क्रेडिट, माल की आवक, माल परिवहन करने वाले वाहन की क्षमता और मालवाहक वाहन की लोकेशन के आधार पर टैक्स चोरी पकड़ी है।

विभाग की प्रारंभिक जांच में पाया गया कि कंपनी की ओर से फर्जी बिल बना कर आईटीसी का लाभ लेने के लिए कर देयता को कम की जा रही थी। कुछ फर्मों से माल की खरीद दिखाई गई, जबकि ई–वे बिलों से पाया गया वास्तविक रूप से माल आया ही नहीं है। कंपनी ने बीते दो वित्तीय वर्षों में 14 करोड़ की जीएसटी चोरी की है। कार्रवाई के दौरान ही कंपनी ने 12 करोड़ की जीएसटी जमा की है। कंपनी के टैक्स संबंधित दस्तावेजों की जांच जारी है।

16 साल की किशोरी ने बच्चे को दिया जन्म

नैनीताल। लालकुआं के बरेली रोड क्षेत्र के एक अस्पताल में 16 साल की किशोरी ने शिशु को जन्म दिया है। पुलिस ने आरोपी किशोर के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। किशोरी को पेट में तेज दर्द की शिकायत के बाद अस्पताल लाया गया था। डॉक्टरों ने जांच के बाद उसके गर्भवती होने की पुष्टि की और प्रसव कराया। पुलिस के अनुसार, पीड़िता हल्दूचौड़ क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली है। उसकी मां का देहांत हो चुका है। पुलिस क्षेत्राधिकारी हल्द्वानी अमित कुमार सैनी ने बताया कि मामले की गहनता से जांच की जा रही है। पीड़िता और आरोपी दोनों ही नाबालिग हैं इसलिए परिजनों की शिकायत और मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर आरोपी किशोर के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

प्रदेश में स्थानांतरण अधिनियम के तहत तबादलों में केवल पांच दिन बाकी, पर विभागों में सुस्ती

मनस्वी वाणी संवाददाता

देहरादून। प्रदेश में स्थानांतरण अधिनियम के तहत तबादलों में अब केवल पांच दिन बाकी हैं। आईएएस, पीसीएस अफसरों के अलावा कुछेक विभाग ही तबादले कर पाए हैं। कर्मचारी संगठनों ने समय से पदोन्नति और तबादले न होने पर रोष जताया है। प्रदेश में उत्तराखंड लोक सेवकों के लिए वार्षिक स्थानांतरण अधि ानियम 2017 लागू है। इसके तहत सभी विभागों में हर साल तबादलों की समयसीमा 10 जून तय की गई है। तबादलों की तैयारी पहले से ही की जाती है। इस साल तबादलों को लेकर विभागों का रवैया काफी सुस्त नजर आ रहा है। हालात ये हैं कि एक–दो विभागों को छोड़ दें तो अब तक तबादला सूची तक तैयार नहीं कर पाए हैं। अगर समय से तबादले नहीं होंगे तो हालात तबादला सत्र शून्य होने जैसे हो जाएंगे जबकि अगले वर्ष राज्य में विधानसभा चुनाव होने हैं। इसकी गाइडलाइंस के तहत जो अधिकारी एक विभाग में एक जगह पर तीन साल या अधिक समय से कार्यरत हैं, उन्हें हटाना होगा। माना जा रहा था कि इस बार सरकार बड़े स्तर पर तबादले करेगी ताकि चुनाव आयोग के नियम का भी अनुपालन हो सके।

पदोन्नति में भी सुस्ती

न केवल तबादले बल्कि पदोन्नति करने के मामले में भी विभागों का रवैया काफी ढीला नजर आ रहा है। नियमानुसार विभागों को वरिष्ठता सूची जारी करते हुए उस पर आपत्ति लेकर पदोन्नति सूची जारी करनी चाहिए। बावजूद इसके कई विभागों में अब तक वरिष्ठता सूची का ही अता–पता नहीं है।

मुख्य सचिव के समक्ष रखेंगे मामला

राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के प्रदेश अध्यक्ष अरुण पांडेय ने कहा कि पूर्व में मुख्य सचिव आनंदबर्द्धन के समक्ष जो बैठक हुई थी, उसमें प्रमुखता से समय से पदोन्नति और तबादलों का मामला उठाया गया था। इसके बावजूद विभागों का रवैया ठीक नहीं है। 10 जून के बाद इस संबंध में दोबारा मुख्य सचिव से वार्ता की जाएगी।

फाइव स्टार रेटिंग देकर कमाई के लालच में फसी महिला, साइबर ठगों ने खाते से उड़ाए 15.47 लाख

मनस्वी वाणी संवाददाता

नैनीताल। फाइव स्टार रेटिंग देकर कमाई के लालच में महिला से 15.47 लाख रुपये की ठगी हो गई। फेसबुक पर साधारण क्लिक ने उसे व्हाट्सएप और टेलीग्राम के रास्ते साइबर ठगों के ऐसे मायाजाल में फंसा दिया कि ऑनलाइन टास्क के नाम पर वह अपनी जमापूंजी गंवा बैठी। मामले में हल्द्वानी कोतवाली में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस को दी गई शिकायत में नीलियम कॉलोनी निवासी महिला ने बताया कि उन्हें फेसबुक पर एक लिंक मिला था। लिंक पर क्लिक करने के बाद उन्हें व्हाट्सएप ग्रुप से जोड़ा गया जहां 31 मई को उन्हें एक आसान ऑनलाइन काम बताया गया। इस काम के तहत नामी रेस्टोरेंट को 5–स्टार रेटिंग देनी थी। अगले दिन ठगों ने महिला को टेलीग्राम से जुड़ने के लिए कहा। टेलीग्राम पर बातचीत के दौरान साइबर अपराधियों ने महिला का भरोसा जीत लिया और खुद को सरकारी प्रमाणित प्लेटफॉर्म से जुड़ा बताया। इसके बाद एक फर्जी वेबसाइट का लिंक भेजा गया। महिला के अनुसार वेबसाइट पर टास्क पूरा करने और तकनीकी त्रुटियां दूर करने के नाम पर अलग–अलग बैंक खातों में रकम जमा कराने के लिए कहा गया। ठगों के झांसे में आकर उन्होंने एक से तीन जून के बीच आईएमपीएस, क्विक पे और पेटीएम के माध यम से कई बार में 15.47 लाख रुपये ट्रांसफर किए। बाद में उन्हें ठगी का एहसास हुआ।

महिला की शिकायत के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। मामले की जांच की जा रही है। लोग ऑनलाइन टास्क, निवेश और आसान कमाई के नाम पर दिए जाने वाले लुभावने प्रस्तावों से सतर्क रहें। – अमित कुमार, सीओ सिटी

सीओ सिटी बोले– सावधानी जरूरी

बैंक खाते, पासवर्ड, यूपीआई पिन और आधार से जुड़ी गोपनीय जानकारी किसी के साथ साझा न करें।

अनजान नंबरों या ईमेल से प्राप्त संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने से बचें।

सभी ऑनलाइन खातों के लिए मजबूत और अलग–अलग पासवर्ड का उपयोग करें।

जल्दी अमीर बनने या अधि ाक मुनाफा देने वाले ऑफरों पर आंख मूंदकर भरोसा न करें

दहेज नहीं लाने पर पंखे से लटकाने की धमकी, पति समेत पांच पर मुकदमा दर्ज

देहरादून। सहसपुर कोतवाली क्षेत्र निवासी एक विवाहिता की शिकायत पर पुलिस ने उत्तर प्रदेश के जिला सिद्धार्थनगर के थाना भवानी गंज के वासा गांव निवासी उसके पति अहसान हबीव, ससुर हबीबुल्ला, सास शाहरून निशा तथा ननद राशिदा और शजिदा के खिलाफ दहेज उत्पीड़न, मारपीट, गाली–गलौज और धमकी देने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की है। शिकायत के अनुसार आरोपियों ने विवाह के बाद अतिरिक्त दहेज की मांग करते हुए मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना दी। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। कोतवाली प्रभारी प्रदीप रावत ने बताया उत्तर प्रदेश के जिला बस्ती के ग्राम खोरिया हाल निवासी सैनिक कॉलोनी, बड़ा रामपुर कलां निवासी सायमा खातून ने महिला हेल्पलाइन में दी गई शिकायत दी। उन्होंने बताया कि उनका विवाह नवंबर 2024 में मुस्लिम रीति–रिवाज से हुआ था।

उन्होंने आरोप लगाया कि विवाह के समय उसके परिवार की ओर से नकदी और गृहस्थी का सामान दिया गया था, लेकिन शादी के एक सप्ताह बाद ही पति और ससुराल पक्ष के अन्य सदस्य कम दहेज लाने के ताने देने लगे। आरोप है कि आरोपी पांच लाख रुपये नकद और एक दो बीएचके फ्लैट की मांग कर रहे थे। मांग पूरी नहीं होने पर मारपीट, गाली–गलौज और जान से मारने की धमकी दी जाती थी। उन्होंने आरोप लगाया कि ससुराल पक्ष ने उसे पंखे से लटकाने और ठिकाने लगाने तक की धमकी दी। प्रताड़ना से परेशान होकर वह विवाह के करीब दो माह बाद मायके चली गई और तब से वहीं रह रही है। सहसपुर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक प्रदीप रावत ने बताया कि महिला हेल्पलाइन से प्राप्त शिकायत और जांच के आधार पर पति समेत पांच आरोपियों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न एवं अन्य संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। मामले की विवेचना की जा रही है।

मेले को लेकर प्रशासन की तैयारियां तेज, दो दिन पर्वतीय मार्गो पर नहीं चलेंगी रोडवेज बसें

नैनीताल। कैंची धाम में हर साल 15 जून को होने वाले मेले के लिए पुलिस प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। जाम की स्थिति से बचने के लिए पर्वतीय मार्गों पर मेले से एक दिन पहले रोडवेज की बसों का संचालन बंद रखने का निर्णय लिया गया है। पुलिस के मुताबिक भवाली क्षेत्र के मुख्य चौराहों और डायवर्जन प्वाइंट पर मेले से पहले रात को भी पुलिस बल तैनात रहेगा। परिवहन निगम ने 14 जून से दो दिन के लिए कैंची धाम में लगने वाले मेले को देखते हुए पर्वतीय मार्ग की बसों का संचालन रोकने का निर्णय लिया है। हल्द्वानी डिपो के एआरएम संजय पांडे ने बताया कि मेले के दिन नैनीताल और आसपास के रूटों पर बसों का संचालन बढ़ाया जाएगा। नैनीताल जाने वाले पर्यटकों की संख्या में इन दिनों इजाफा हो रहा है। शुक्रवार को भी काठगोदाम और हल्द्वानी डिपो से नैनीताल के लिए अतिरिक्त बसों का संचालन किया। औसतन एक दिन में 25 बसों का संचालन होता है लेकिन भीड़ बढ़ने पर यह संख्या 30 से अधिक पहुंच रही है। एआरएम संजय पांडे ने बताया कि नैनीताल मार्ग पर ही यात्री उमड़ रहे हैं। मैदानी रूटों की बसों में कम यात्री आ रहे हैं। कैंची मेले में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए शटल सेवा चलाई जाएगी। साथ ही पर्वतीय जिलों के वाहनों के लिए स्टीकर व्यवस्था की गई है। भवाली से कैंची धाम मार्ग पर स्थित होटलों और होमस्टे का ऑडिट करने के निर्देश दिए गए हैं। थाना प्रभारियों को होटल और होमस्टे संचालकों के साथ गोष्ठी करने के लिए कहा गया है। पर्यटकों की सुविधा के लिए होटल बुकिंग के आधार पर ही चेकिंग प्वाइंटस से उन्हें आगे जाने की अनुमति दी जाएगी।

निकालने में काट दी बच्ची की भोजन नली, फेफड़ों तक फैल गया इंफेक्शन, पूरी कहानी

नैनीताल। हल्द्वानी के सुशीला तिवारी अस्पताल के चिकित्सकों पर एक महिला ने अपनी आठ वर्षीय बेटी के इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया है। महिला का कहना है कि उपचार के दौरान हुई चूक से बच्ची की हालत गंभीर हो गई और इलाज पर सात से आठ लाख रुपये खर्च होने के बावजूद वह अभी तक पूरी तरह स्वस्थ नहीं हो सकी है। रामनगर निवासी कंचन ने बताया कि उसकी बेटी ने पांच रुपये का सिक्का निगल लिया था। 13 मई को बेटी को रामनगर के अस्पताल से सुशीला तिवारी अस्पताल (एसटीएच) रेफर किया गया। रात नौ बजे वह यहां पहुंची तो ईएनटी विभाग के डॉक्टर ने मरीज को अगले दिन देखने की बात कही। अगले दिन सिक्का तो निकाल लिया गया लेकिन बेटी की तबीयत में सुधार नहीं हुआ। कंचन का कहना है कि उन्होंने 15 मई को डॉक्टर को बताया कि बेटी को बुखार और दर्द है। जांच में पता चला कि आहार नली में सूजन और फेफड़ों में पानी भर गया है। डॉक्टर ने यह नहीं बताया कि यह कैसे हुआ। कंचन का कहना है कि इस दौरान उनकी बेटी को आईसीयू में शिफ्ट कर दिया गया। वहां भी जब तबीयत ठीक नहीं हुई तो बेटी को उसी रात 10.30 बजे दिल्ली या बरेली दिखाने की बात कहकर डिस्चार्ज कर दिया। वह बेटी को लेकिन देर रात दो बजे बरेली के राममूर्ति अस्पताल पहुंची। वहां के डॉक्टरों ने जांच कर बताया कि बेटी की भोजन नली में कट लग गया है जिसकी वजह से इंफेक्शन हो गया है। अस्पताल प्रबंधन ने लखनऊ से सर्जन बुलाया और फेफड़ों की सर्जरी हुई। महिला का आरोप है कि एसटीएच में यदि पहले ही सही से इलाज हो जाता तो उनकी बेटी की यह हालत नहीं होती। ईएनटी विभाग के विभागाध यक्ष डॉ. शहजाद का कहना है कि वह उस दिन अवकाश में थे। ऐसे में उन्हें इसकी जानकारी नहीं है। मामला जानकारी में नहीं है लेकिन यह गंभीर प्रकरण है। अगर लिखित शिकायत मिलती है तो उस पर कार्रवाई की जाएगी होगी। – डॉ. जीएस तितियाल, प्राचार्य राजकीय मेडिकल कॉलेज हल्द्वानी

नीलकंठ में अव्यवस्था पर अधिकारियों को फटकार

ऋषिकेश। चारधाम यात्रा और आगामी कांवड़ मेले से पहले जिला पंचायत अध्यक्ष रचना बुटोला के निरीक्षण में नीलकंठ धाम में मंदिर मार्ग पर फैली अव्यवस्थाएं सामने आईं। सबसे गंभीर स्थिति शौचालयों की मिली, जहां लाखों रुपये खर्च होने के बावजूद पानी की व्यवस्था तक नहीं हो सकी है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को फटकार लगाई और व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के निर्देश दिए। शुक्रवार को जिला पंचायत अध यक्ष रचना बुटोला ने नीलकंठ क्षेत्र में व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत पार्किंग परिसर में करीब पांच वर्ष पूर्व पांच लाख रुपये की लागत से निर्मित 10 सीटर शौचालय पूरी तरह अनुपयोगी मिला।

सम्पादकीय

दक्षिण एशिया के लिए अगला बड़ा अवसर है खाद्य प्रसंस्करण

दक्षिण एशिया खाद्य प्रणालियों की अपनी यात्रा में एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है। समृद्ध कृषि–जैव विविधता वाला एक प्रमुख क्षेत्र होने के बावजूद, खेत से उपभोक्ताओं तक पहुंचने की प्रक्रिया में अब तक बहुत अधिक कीमत कम हो जाती है, जो किसानों, रोजगार और पोषण के लिए एक छूटा हुआ अवसर है। भारत इस विरोधाभास का एक स्पष्ट उदाहरण पेश करता है। खाद्य और कृषि संगठन (एफ.ए.ओ.) के अनुसार, भारत दुनिया का दूध और दालों का सबसे बड़ा उत्पादक है और फलों तथा सब्जियों का दूसरा सबसे बड़ा। इसके बावजूद, कटाई के बाद की प्रक्रियाओं, भंडारण, लॉजिस्टिक्स और प्रसंस्करण में कमियों के कारण खाद्य पदार्थों का काफी मात्रा में नुकसान होता रहता है। यह सतत् विकास लक्ष्यों सहित वैश्विक विकास प्राथमिकताओं की ओर प्रगति में बाधा डालता है। यह न केवल एक अक्षमता है, बल्कि एक छूटे हुए अवसर को भी दर्शाता है। बर्बाद हुआ हर एक टन खाद्य किसानों के लिए खोई हुई आय, युवाओं के लिए खोए हुए रोजगार के अवसर और परिवारों के लिए खोए हुए पोषण का प्रतीक है। इसलिए इन नुकसानों को मूल्य में बदलना अब एक क्षेत्रीय प्राथमिकता बन जाना चाहिए। खाद्य प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन कृषि की संभावनाओं का पता लगाने की कुंजी है। यह खेतों को बाजारों से, किसानों को उद्योगों से और स्थानीय उत्पादन को क्षेत्रीय और वैश्विक वैल्यू शृंखलाओं से जोड़ता है। इस प्रकार, यह कृषि और व्यापक आर्थिक परिवर्तन के बीच एक महत्वपूर्ण पुल के रूप में कार्य करता है। मात्रा से मूल्य की ओर रू वर्तमान में भारत में, कृषि उपज का केवल 17 प्रतिशत हिस्सा ही प्रसंस्कृत (प्रोसैस) किया जाता है। क्षेत्र की पूरी आर्थिक क्षमता का लाभ उठाने के लिए, 2030 तक इस हिस्से को लगभग 25 प्रतिशत तक बढ़ाना आवश्यक है। इसके साथ ही, कटाई के बाद के खाद्य नुकसान को कम करना और प्रसंस्करण से संबंधित बुनियादी ढांचे को मजबूत करना महत्वपूर्ण होगा ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि अर्थव्यवस्था के भीतर अधिकतम आध्थक मूल्य बरकरार रखा जाए। खाद्य प्रसंस्करण उत्पादों की शैल्फ लाइफ, खाद्य सुरक्षा को बढ़ावा देता है और नए व घरेलू निर्यात बाजारों तक पहुंच के अवसर खोलता है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह उत्पादक देशों के भीतर आथिक मूल्य के बड़े हिस्से को बरकरार रखने में मदद करता है, जिससे किसानों, उद्यमों और ग्रामीण समुदायों को सीधा लाभ मिलता है। दक्षिण एशिया की समृद्ध कृषि–जैव विविधता उच्च मूल्य वाले उत्पादों के विकास के लिए अपार संभावनाएं प्रदान करती है, विशेष रूप से ऐसे समय में जब वैश्विक मांग अधिक विविध पौष्टिक और विशेष खाद्य उत्पादों की ओर बढ़ रही है। इसके अलावा, डिजिटल समाधान ट्रेसेबिलिटी को मजबूत, गुणवत्ता मानकों में सुधार करने और लगातार जटिल होते वैश्विक बाजारों में प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। इसमें सार्वजनिक निवेश की महत्वपूर्ण भूमिका है लेकिन साथ ही निजी क्षेत्र की अधिक भागीदारी को भी प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। भारत ने इस दिशा में पहले ही प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों का औपचारिकीकरण योजना और उत्पादन संबद्ध प्रोत्साहन (पी.एल.आई.) योजना जैसी प्रमुख योजनाओं के माध्यम से खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों के लिए इस दिशा में आवश्यक कदम उठाए हैं। खाद्य प्रसंस्करण केवल आध्थक दक्षता के बारे में नहीं, यह आजीविका से भी जुड़ा हुआ है। पूरे दक्षिण एशिया में लाखों युवा हर वर्ष श्रम बाजार में प्रवेश करते हैं, जबकि अकेला कृषि क्षेत्र अब इस बढ़ते कार्यबल को खपाने में सक्षम नहीं है। इस संदर्भ में खाद्य प्रसंस्करण एक प्रभावी समाधान पेश करता है। उत्पादन केंद्रों के करीब उद्योगों की स्थापना करके यह लॉजिस्टिक्स, पैकेजिंग, खाद्य प्रौद्योगिकी और संबंधित सेवाओं के क्षेत्रों में विकेंद्रीकृत रोजगार के अवसर पैदा करता है। जिस तरह नए व्यापार समझौते बाजार के अवसर पैदा कर रहे हैं, ऐसे में अब ध्यान कच्चे कृषि उत्पादों के निर्यात से हटकर उच्च मूल्य वाले प्रसंस्कृत उत्पादों के निर्यात की ओर केंद्रित होना चाहिए। वैश्विक उपभोक्ता अब ऐसे खाद्य पदार्थों की मांग कर रहे हैं, जो सुरक्षित, पौष्टिक, ट्रेस करने योग्य और टिकाऊ रूप से उत्पादित हों। इससे गुणवत्ता, मानकों और नवाचार का महत्व और बढ़ जाता है–ये ऐसे क्षेत्र हैं, जिनमें भारत अपनी क्षमताओं को निरंतर मजबूत कर रहा है। यह केवल किसी एक देश के बारे में नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र के साथ मिलकर आगे बढने का अवसर है। दक्षिण एशियाई देश सांझा चुनौतियों–खंडित आपूर्ति शृंखलाओं, सीमित प्रसंस्करण क्षमता और कटाई के बाद होने वाले उच्च स्तर के खाद्य नुकसान का सामना कर रहे हैं।

पद्म विभूषण, धर्मेंद्र और कानून–सम्मान के मंच पर परंपरा बनाम वैधता का प्रश्न

अरुण कुमार डनायक

सरकार ने उनके निधन के बाद उन्हें मरणोपरांत यह उच्च सम्मान देना फिल्म जगत के सम्मान के रूप में देखा जा सकता है। लेकिन सम्मान देने की प्रक्रिया में एक कानूनी–नैतिक प्रश्न अनिवार्य रूप से उभरता है।

25 मई 2026 को पद्म पुरस्कार के समारोह में जब धर्मेंद्र के लिए मरणोपरांत पद्म विभूषण की घोषणा हुई, तो स्वाभाविक रूप से वह क्षण भावनाओं से भरा था। मंच पर सम्मान ग्रहण करने पहुंचीं हेमा मालिनी को श्धर्मेंद्र की पत्नीश कहकर संबोधित किया गया। यह क्षण स्वाभाविक रूप से हृदयस्पर्शी था, लेकिन साथ ही उसने एक गंभीर प्रश्न भी खड़ा कियाकृ क्या सार्वजनिक और संवैधानिक मंचों पर सामाजिक स्वीकृति, कानूनी वैधता से ऊपर रखी जा सकती है? या फिर हम अनजाने में उन परंपराओं की ओर लौट रहे हैं जिन्हें आधुनिक भारत ने दशकों पहले पीछे छोड़ दिया था। यह प्रश्न केवल औपचारिक संबोधन का नहीं, बल्कि कानून और सामाजिक व्यवहार के बीच के उस अंतर का है, जिसे हम अक्सर अनदेखा कर देते हैं। धर्मेंद्र का जीवन और योगदान निर्विवाद रूप से असाधारण रहा है। हिंदी सिनेमा में उनका छह दशकों का सफर एक युग की तरह देखा जाता है। शोले, मेरा गांव मेरा देश, चरस जैसी फिल्मों ने उन्हें भारतीय सिनेमा का अमर चेहरा बनाया। 24 नवंबर 2025 को 89 वर्ष की उम्र में उनके निधन के साथ यह युग समाप्त हुआ। सरकार ने उनके निधन के बाद उन्हें मरणोपरांत यह उच्च सम्मान देना फिल्म जगत के सम्मान के रूप में देखा जा सकता है। लेकिन सम्मान देने की प्रक्रिया में एक कानूनी–नैतिक प्रश्न अनिवार्य रूप से उभरता है। हिंदू विवाह अधिनियम (1955) ने हिंदू समाज में बहुपत्नी प्रथा को समाप्त कर एक विवाह को मान्य किया। पहली पत्नी के जीवित रहते बिना तलाक दूसरी शादी करना द्विविवाह का अपराध है, जिसके लिए सजा का प्रावधान है। हालांकि ऐसी अमान्य शादी से जन्मे बच्चों को सुप्रीम कोर्ट के फैसलों के अनुसार पिता की संपत्ति में पूरा उत्तराधिकार प्राप्त है। धर्मेंद्र और प्रकाश कौर के बीच तलाक नहीं हुआ था। ऐसे में 1980 में हेमा मालिनी के साथ हुआ उनका विवाह, कानूनी विशेषज्ञों के अनुसार, विधिक दृष्टि से वैध नहीं माना जा सकता। कानूनी दृष्टि से यह विवाह विवादित माना जाता रहा है। कानून स्पष्ट हैकृपहली शादी के रहते दूसरी शादी करना अपराध है। मीडिया में यह भी चर्चा रही कि धर्मेंद्र और हेमा ने कथित रूप से इस्लाम अपनाकर निकाह किया था, ताकि हिंदू कानून की बाधा से बचा जा सके। हालांकि धर्मेंद्र ने सार्वजनिक रूप से इसे हमेशा नकारा। 2004 के लोकसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याक्षी के रूप में दाखिल हलफनामे में उन्होंने पत्नी के रूप में केवल प्रकाश कौर का नाम लिखा और हेमा मालिनी का कोई उल्लेख नहीं किया। विपक्ष ने आरोप लगाया कि उन्होंने दूसरी शादी छिपाई। यह विवाद अदालत तक पहुंचा और लंबे समय तक चर्चा में रहा। यहीं से यह प्रश्न और जटिल हो जाता हैकृक्या किसी अमान्य विवाह को सार्वजनिक मंच पर वैध सामाजिक पहचान दी जा सकती है? और यदि दी जाती है, तो क्या यह कानून की भावना के विपरीत नहीं है? एक ओर संसद द्वारा पारित हिंदू विवाह अधिनियम है, जिसने बहुपत्नी प्रथा को समाप्त कियाय दूसरी ओर राष्ट्रपति भवन का मंच है, जहां उसी कानून के विपरीत संबोधन किया जाता है। ऐसे मामलों में यह प्रश्न उठता है कि क्या परिवार के सभी पक्षों को प्रक्रिया में शामिल किया गया था? यद्यपि यह निजी क्षेत्र का विषय है, लेकिन जब मामला राष्ट्रपति भवन के औपचारिक मंच तक पहुंचता है, तो यह केवल निजी नहीं रह जाता। इतिहास बताता है कि ऐसे मामलों में राज्य ने कई बार विधिक वैधता को प्राथमिकता दी है। राष्ट्रपति द्वारा सरकार की सलाह पर पूर्व इन्दौर रियासत के उत्तराधिकार विवाद में अमेरिकी पत्नी से जन्मे बेटे रिचर्ड होल्कर (शिवाजीराव होल्कर) को उत्तराधिकारी मानने से इनकार कर दिया गया था। अटल बिहारी वाजपेयी सरकार के दौरान विनायक दामोदर सावरकर को भारत रत्न देने के प्रस्ताव पर तत्कालीन राष्ट्रपति केआर नारायणन द्वारा आपत्ति जताई गई थीकृयह दिखाता है कि संवैधानिक पदों पर बैठे व्यक्तियों ने समय–समय पर संस्थागत मर्यादाओं की रक्षा की है। इसी संदर्भ में यह प्रश्न और तीखा हो जाता है कि जब देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर एक महिला राष्ट्रपति आसीन हैं, तब महिलाओं के अधिकारों की रक्षा के लिए बनाए गए कानूनों की इस प्रकार की अनदेखी क्या एक विरोधाभास नहीं है? यह मुद्दा उस व्यापक सामाजिक मनोविज्ञान को उजागर करता है, जहां हम कानून को स्वीकार तो करते हैं, लेकिन व्यवहार में परंपरागत मान्यताओं से संचालित होते रहते हैं। यहां हेमा मालिनी, और सनी देओल के राजनीतिक जीवन का संदर्भ भी दिलचस्प है।

लापरवाही के हादसे, बेपरवाह सरकार

बुधवार को दिल्ली के हौजरानी इलाके में एक पांच मंजिला इमारत में आग लगने से कम से कम 21 लोगों की मौत हो गई, जिसमें 11 विदेशी नागरिक थे। इस भयावह घटना के वीडियो सोशल मीडिया पर खूब तैर रहे हैं, जिसमें कहीं ऊपरी मंजिलों से लोग कूद कर जान बचा रहे हैं, तो कहीं छत पर खड़े होकर मदद की गुहार लगा रहे हैं। आग और धुएं के गुबार के बीच फिर से भ्रष्टाचार की चर्चाएं शुरु हो चुकी हैं कि इस पूरे इलाके में नियमों को ताक पर रखकर ऐसी कई इमारतें बनी हुई हैं। जहां पांच–छह कमरे बने होने चाहिए थे, वहां 25 कमरे बना दिए गए और आग से बचाव का कोई इंतजाम नहीं है। इस खबर को बीते कुछ घंटे नहीं हुए थे कि बिहार के मुजफ्फरपुर से ऐसी ही खबर आई। वहां एक अस्पताल के आईसीयू में आग लग गई, जिसमें कम से कम पांच लोगों के मरने की खबर है और 20 घायल हैं। हालांकि मौत के सही आंकड़े पता चलेंगे या नहीं, कहा नहीं जा सकता। क्योंकि अभी से खबर पर लीपापोती की शुरुआत हो चुकी है। सम्राट चौधरी सरकार में पहली बार राजनीति में आकर सीधे स्वास्थ्य मंत्री का पद संभालने वाले निशांत कुमार से इस बारे में जब पत्रकारों ने सवाल किए तो वे बिना कुछ बोले निकल गए। उन पर अब सवाल उठ रहे हैं तो उन के पक्ष में जदयू प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा कि सुबह 3.00 बजे की यह घटना है और सुबह की फ्लाइट से मंत्री जा रहे थे। ऐसा नहीं है कि घटना की जानकारी मंत्री को नहीं थी। तभी तो स्वास्थ्य विभाग एक्शन में है। मेरा मानना है कि एक्शन पर लोगों को फोकस करना चाहिए ना कि बयान पर। ऐसे बयान जाहिर करते हैं कि आम लोगों की जान की कीमत सरकार की नजर में कितनी सस्ती है। इतने मासूम अकाल मौत मारे गए और बजाए जिम्मेदारी लेने के स्वास्थ्य मंत्री को बचाने की कोशिशें हो रही हैं। पाठक ध्यान दें कि बुधवार को भाजपा के आधिकारिक एक्स हैंडल से एक वीडियो जारी किया गया, जिसमें पटना की साफ–सुथरी चिकनी सड़क और चमचमाता पुल दिखाया गया। इसे बिहार का विकास कहा जा रहा है। भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने भी इसे रिपोस्ट किया। लेकिन कांग्रेस ने बताया कि ये एआई जनरेटेड वीडियो है। सच्चाई खुलने के बाद भाजपा के सोशल मीडिया प्लेटफार्म से तो इसे शायद हटा लिया गया है, लेकिन भाजपा बिहार के प्लेटफार्म पर यह आभासी वीडियो अब भी चल रहा है। भाजपा के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर देश का विकास दिखाने वाले कई संदेश एआई जनरेटेड वीडियो के साथ ही दिए जाते हैं। इसका यही मतलब है कि असली विकास दिखाने को नहीं है तो कम्प्यूटर की मदद से बनाई गई तस्वीरों में विकास दिखाया जाए। मान लें कि जनता के सामने अपनी छवि चमकाने के लिए ऐसा करना जरूरी है, तो क्या यह बात भी उतनी ही जरूरी नहीं है कि जनता को सच की तस्वीर भी दिखाई जाए या जनता का वास्ता जिन कड़वे सत्यों से रोज होता है, कम से कम उन पर भाजपा दो शब्द तो संवेदना के कह दे। चमकते–दमकते पुल की नकली तस्वीर दिखाने वाली भाजपा क्या अवैध निर्माण या बिना सुरक्षा मानकों के खड़ी की गई इमारतों की तस्वीर भी कभी दिखाएगी। क्यों भाजपा के बुलडोजर गरीबों और मुसलमानों के ठिकानों तक आसानी से पहुंच जाते हैं, लेकिन अवैध निर्माण कर करोड़ों की उगाही करने वाले लोगों तक नहीं पहुंचते। अभी पिछले साल दिसंबर में गोवा के नाइटक्लब में ऐसी ही भीषण आग लगी थी, जिसमें 25 लोगों की मौत हो गई थी। इसके संचालक पहले तो आसानी से देश से भाग गए, लेकिन फिर सरकार पर दबाव पड़ा तो इन्हें थाईलैंड से गिरफ्तार कर लाया गया। मगर अब क्या कार्रवाई हो रही है, उन्हें कितनी सजा मिलेगी, इसकी कोई खबर नहीं है। दरअसल भाजपा बहुत अच्छे से ये बात जानती है कि समाज को हिंदू–मुसलमान के अनावश्यक मुद्दे में उलझाकर रखना आसान है। लोग इसी बात पर खुश हो जाएंगे कि अहमदनगर का नाम श्अहिल्यानगरश्, फैजाबाद का नाम अयोध्या या बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय का नाम श्वागदेवी भोजपाल विश्वविद्यालयश् कर दिया गया है। नाम बदलने से शहर, स्टेशन, शिक्षण संस्थान किसी के भी हालात नहीं बदलेंगे, ये लोग भी अच्छे से जानते हैं। मगर एक सुकून उन्हें मिलता है कि मुसलमानों के नाम की जगह हिंदू नामों को भाजपा प्राथमिकता दे रही है। भाजपा ने उन्हें यही भरोसा भी दिलाया है कि कुछ बचे न बचे हिंदू धर्म तो वो बचा ही लेगी। बस इसी तरह धर्म की रक्षा सरकार कर रही है, बाकी अपनी रक्षा लोग अपने आप कर लें। वैसे दिल्ली हादसे में तो यही दिखा है कि फायर बिग्रेड और बचाव दल के आने से पहले मुसलमानों ने ही कई जानें बचाई हैं। जब लोग पांच मंजिला इमारत में लगी आग से बचने के लिए ऊपर से कूदने लगे तो मोहम्मद अफजल, वसीम राजा, रियाजुद्दीन मंसूरी और अरमान मंसूरी जैसे लोगों ने ही प्रत्युत्पन्नमति दिखाते हुए पास की दुकान से गद्दे और चादरें लाकर नीचे बिछाईं, ताकि उन्हें गिरने से चोटें न आएं। जिस दुकान से गद्दे निकाले गए, उसके मालिक अरमान ने अपने नुकसान की रत्ती भर भी परवाह नहीं की और लाखों के गद्दे लोगों की जान बचाने के लिए निकाल दिए। कई लोगों का दम धुएं के कारण घुट रहा था तो अस्पताल से प्रशिक्षित वसीम राजा और उनके साथियों ने मुंह से सांस देकर उन्हें बचाया। याद पड़ता है कि गुजरात में जब मोरबी पुल का हादसा हुआ था, तब भी कई स्थानीय मुसलमानों ने तैरकर डूबते हुए लोगों की जान बचाई थी।ऐसा नहीं है कि हिंदू या अन्य धर्मों के लोग इस तरह की जांबाजी या दरियादिली नहीं दिखाते हैं। यह तो हरेक इंसान की अपनी प्रवृत्ति होती है और हर धर्म में परोपकारी व्यक्ति रहते हैं। कोटद्वार के दीपक इसका ताजा उदाहरण हैं, जो बूढ़े दुकानदार को गुंडों से बचाने के लिए आगे आए। लेकिन जब देश में मुसलमानों को लेकर अकारण नफरत का भाव बनाया जा चुका है।

मेष :– मधुरवाणी से संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी। जीविका क्षेत्र में लाभ के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। पारिवारिक दायित्वों की समय से पूर्ति हेतु प्रयत्नशील होंगे। जीवन साथी के स्वास्य का ध्यान रखें।

बृषभ मन प्रसन्न व उत्साहित रहेगा। प्रियजनों का सानिध्य प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्य सार्थक होने का योग है। नौकरी का वातावरण सुखद होगा। शिक्षा–प्रतियोगिता की दिशा में परिश्रम तीव्र होगा।

मिथुन :– आर्थिक क्षेत्र में आप कुछ नई योजनाओं को सार्थक करेंगे। कोई व्यक्तिगत संबंध परिवार में विवाद का कारण बन सकता है। प्रणय संबंधों को लेकर मन में चिंता होगी।

कर्क :– पूर्वाग्रहवश मन में किसी प्रकार की शंका न पालें। गलतियों को स्वीकारते हुए सगे–संबंधों में क्षमायाचक बने और शांत भाव से अच्छे कायरे द्वारा उसकी प्राश्चित भी करें।

सिंह :– पुरानी गलतियों से सीख लेते हुए वर्तमान को सुधारें। परिवार को सुव्यवस्थित चलाने में आपका विशेष योगदान होगा। किसी संबंध को लेकर पूरे परिवार के विरोध का सामना करना पड़ेगा।

कन्या :– मन ढ़ेर सारे पूर्वाग्रहों से प्रभावित होगा। पुरानी बातों कों भूलकर वर्तमान के साथ समझौता करें। मन पर नियंतण्ररख कर्त्तव्यनिष्ठ बने। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद संभव।

तुला :– आज सकारात्मक सोच को अपनाते हुए जीवन को सही दिशा की ओर केंद्रित करें। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव।

वृश्चिक :– आज परिजनों के सुख–दुख से प्रभावित मन परिवार को एकजुट रखने में केंद्रित होगा।

धनु :– निराशावादी विचारों को त्याग आशावादी बनें। नाजुक संबंधों के बीच भावनात्मक कष्टों को भूल वर्तमान को बेहतर बनायें। परिवार में खुशहाल माहौल रहेगा।

मकर :– मन सुंदर विचारो से सिंचित होगा। धार्मिक व पारंपरिक कायरें की ओर मन केंद्रित होगा। नये कायरें में संलग्नता से लाभ संभव। आलस्य का त्याग करें।

कुंभ :– अपने सुख–दुख को छोड़ परिजनों के सुख के बारे में सोचें। सामान्य दिनर्चया के साथ बीत रहे जीवन में उत्साह का अभाव रहेगा। नयी आकांक्षाएं मन को उद्वेलित करेंगी। पुराने संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी।

मीन :– :– किसी अचल सम्पत्ति को लेने की योजना बन सकती है। कार्यक्षेत्र के किसी सहकर्मी से मतभेद संभव। धनागम की नयी युक्तियों पर मन केंद्रित होगा। जीवन साथी का भावनात्मक स्नेह प्राप्त होगा।

विश्व पर्यावरण दिवसः पर विशेष जैव–विविधता के मार्फत बचाया जा सकता है पर्यावरण!

सुदर्शन सोलंकी

कृषि, मत्स्य–पालन, पर्यटन और वनीकरण पर आधारित उद्योग दुनिया भर के करोड़ों लोगों को आजीविका और रोजगार प्रदान करते हैं। जैव–विविधता के क्षरण का सीधा प्रभाव वैश्विक अर्थव्यवस्था के पतन के रूप में सामने आएगा।

प्रकृति केवल एक संसाधन नहीं है जिसका हम अपनी इच्छा से अनियंत्रित दोहन करते रहें, बल्कि यह वह जीवन–आधार है जिसके बिना हमारा अपना कोई वजूद नहीं है। यदि हमने समय रहते अपने जंगलों, नदियों, सूक्ष्मजीवों और वन्यजीवों को नहीं बचाया, तो मानव सभ्यता का अंत किसी युद्ध से नहीं, बल्कि प्रकृति के संतुलन बिगड़ने से हो जाएगा। जैव–विविधता पृथ्वी पर मौजूद समस्त जीवों, पेड़–पौधों, पशु–पक्षियों, सूक्ष्म जीवों और उनके बीच के जटिल प्राकृतिक संतुलन का नाम है। हमारा मानव जीवन पूरी तरह से इसी ताने–बाने पर टिका हुआ है। विज्ञान के दृष्टिकोण से देखें तो जैव–विविधता हमारे अस्तित्व के लिए कई स्तरों पर अपरिहार्य है– दुनिया की लगभग आधी आधुनिक दवाइयां और एंटीबायोटिक्स प्राकृतिक स्रोतों, वनस्पतियों और जड़ी–बूटियों से विकसित की गई हैं। प्रयोगशालाओं में बनने वाले रसायनों का आधार भी अक्सर प्रकृति ही होती है। कृषि, मत्स्य–पालन, पर्यटन और वनीकरण पर आधारित उद्योग दुनिया भर के करोड़ों लोगों को आजीविका और रोजगार प्रदान करते हैं। जैव–विविधता के क्षरण का सीधा प्रभाव वैश्विक अर्थव्यवस्था के पतन के रूप में सामने आएगा। घने जंगल कार्बन सिंक का कार्य करते हैं। ये वातावरण से हानिकारक कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित कर पृथ्वी के तापमान को नियंत्रित रखने और ग्लोबल वार्मिंग से सुरक्षा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विनाश की कगार पर दुनिया संयुक्त राष्ट्र संघ और विभिन्न पर्यावरण संगठनों की हालिया रिपोर्टें जो आंकड़े पेश कर रही हैं, वे अत्यधिक चिंताजनक हैं। आज पूरी दुनिया जैव–विविधता के अभूतपूर्व संकट से गुजर रही है। वैज्ञानिक आंकड़ों के अनुसार, वर्तमान में लगभग 10 लाख प्रजातियां विलुप्ति की कगार पर हैं। डोडो पक्षी और तस्मानियन टाइगर जैसे जीव तो पहले ही धरती से गायब हो चुके हैं। भारत की बात करें, तो यहां की शान कहे जाने वाले जीव, जैसे – गोडावण, गिद्ध, लाल पांडा और हिम तेंदुआ आज गंभीर संकट का सामना कर रहे हैं। जैव–विविधता के इस तेजी से होते विनाश के पीछे कोई प्राकृतिक आपदा नहीं, बल्कि इंसान की अनियंत्रित महत्वाकांक्षाएं, आधुनिक जीवनशैली और प्रकृति के चक्र में सीधा हस्तक्षेप है। इसके प्रमुख कारक निम्नलिखित हैं–

तीव्र वनोन्मूलन–वैश्विक स्तर पर हो रही अंधाधुंध कटाई के कारण हर साल दुनियाभर में करीब 1 करोड़ हेक्टेयर वन क्षेत्र नष्ट हो रहा है। इससे वन्यजीवों का प्राकृतिक आवास खत्म हो रहा है और वे इंसानी बस्तियों की ओर रुख करने को मजबूर हैं। जब किसी जीव का प्राकृतिक घर ही छीन लिया जाएगा, तो उसका अस्तित्व संकट में आना निश्चित है। प्रदूषण और प्लास्टिक का अभिशाप–हमारी नदियां और समुद्र औद्योगिक कचरे के कारण अत्यधिक प्रदूषित हो चुके हैं। रासायनिक अपशिष्टों और सिंगल–यूज प्लास्टिक ने समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र को बुरी तरह तबाह कर दिया है। समुद्री जीव अनजाने में इस प्लास्टिक को निगल रहे हैं, जिससे पूरी खाद्य–श्रृंखला दूषित और प्रभावित हो रही है। अनियंत्रित मानवीय हस्तक्षेप और कृत्रिम जलवायु परिवर्तन–जैव–विविधता के संकट को बढ़ाने में इंसान का सीधा हस्तक्षेप सबसे ज्यादा जिम्मेदार है। वन्यजीवों के अंगों की तस्करी, खाल, सींग और हड्डियों के लिए किया जाने वाला अवैध शिकार इंसानी लालच का सबसे क्रूर चेहरा है। इसके अलावा, औद्योगिक क्रांति के बाद से जीवाश्म ईंधन (कोयला और तेल) के अंधाधुंध उपयोग, अनियंत्रित उत्सर्जन और कांक्रीट के विस्तार के कारण मानव–जनित जलवायु परिवर्तन हुआ है। वैश्विक तापमान में यह वृद्धि पूरी तरह इंसानी गतिविधियों की देन है। इसके कारण मौसम का चक्र इतनी तेजी से बदला है कि मूक जीव–जंतुओं और वनस्पतियों को संभलने या खुद को नए माहौल में ढालने का मौका ही नहीं मिल रहा है, जिससे वे सामूहिक विलुप्ति की ओर बढ़ रहे हैं। मेगाडायवर्सिटी और बड़ी चुनौतियां–भारत दुनिया के उन भाग्यशाली 17 श्मेगा डायवर्सिटीश देशों में शामिल है, जहां जैव–विविधता का अनमोल खजाना मौजूद है। हमारे पास पश्चिमी घाट और पूर्वोत्तर भारत जैसे वैश्विक जैव–विविधता के हॉटस्पॉट हैं। अरावली पर्वतमाला, केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान और थार मरुस्थल जैसे विशिष्ट इकोसिस्टम हैं, जो दुर्लभ जीवों को आश्रय देते हैं, लेकिन इस संपदा पर खतरा भी उतना ही बड़ा है। यदि यह विविधता नष्ट होती है, तो भारत में खाद्य–सुरक्षा, जल–संसाधन और मानव स्वास्थ्य पर ऐसा संकट खड़ा होगा जिससे निपटना अत्यंत कठिन हो जाएगा। परागणकों (मधुमक्खियां और तितलियां) के खत्म होने से फसलों का उत्पादन गिर जाएगा, जिससे कृषि प्रधान देश में खाद्यान्न संकट की स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

पीएम मोदी ने सीएम योगी को जन्मदिन की बधाई दी, यूपी के विकास में उनके योगदान को सराहा

लखनऊ,संवाददाता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को उनके जन्मदिन पर बधाई दी और राज्य के विकास तथा प्रगति के लिए किए जा रहे उनके प्रयासों की सराहना की। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर बधाई देते हुए पीएम मोदी ने कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। राज्य की प्रगति की दिशा में उनका काम बेहद सराहनीय है। उन्होंने हमेशा लोगों के जीवन स्तर को सुधारने और चौतरफा विकास सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित किया है। मैं उनके दीर्घायु और स्वस्थ जीवन की कामना करता हूँ। योगी आदित्यनाथ का मूल नाम अजय सिंह बिष्ट है और उनका जन्म 5 जून 1972 को उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल के पंचूर गाँव में हुआ। 1990 के दशक में उन्होंने अयोध्या में राम मंदिर आंदोलन में शामिल होने के लिए अपना घर छोड़ दिया। इस दौरान, वे गोरखपुर के प्रसिद्ध गोरखनाथ मठ के तत्कालीन प्रमुख महंत अवैद्यनाथ के शिष्य बन गए। वर्तमान में, वे इस मठ के महंत (मुख्य पुजारी) हैं। वह बीजेपी के एक वरिष्ठ नेता हैं। 1998 में वे गोरखपुर निर्वाचन क्षेत्र से पहली बार लोकसभा के लिए चुने गए थे। इसके बाद उन्होंने लगातार चार बार और इस सीट पर जीत हासिल की। साल 2017 में उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री नियुक्त होने के बाद उन्होंने अपनी संसदीय सीट छोड़ दी थी। वह उत्तर प्रदेश जैसे राजनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण राज्य में लगातार दो पूर्ण कार्यकाल की सेवा करने वाले पहले मुख्यमंत्री हैं। उन्हें हिंदुत्व विचारधारा को बढ़ावा देने के लिए जाना जाता है और 2017 से वे बीजेपी के चुनावी अभियानों में एक प्रमुख चेहरा रहे हैं। उनकी सरकार द्वारा कथित अवैध निर्माणों के खिलाफ की गई सख्त कानूनी कार्रवाइयों (जिसमें अक्सर बुलडोजर का इस्तेमाल किया गया) के कारण उन्हें जनता के बीच बुलडोजर बाबा का लोकप्रिय उपनाम मिला।

54 के हुए योगी आदित्यनाथ, बर्थडे पर रक्षा मंत्री से लेकर मायावती तक दिग्गजों ने दी बधाइयां

लखनऊ,संवाददाता। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती और भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष पंकज चौधरी समेत कई प्रमुख नेताओं ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 54वें जन्मदिन पर उन्हें शुभकामना और बधाई दी। रक्षा मंत्री और लखनऊ से सांसद राजनाथ सिंह ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर एक पोस्ट में कहा कि उत्तर प्रदेश के लोकप्रिय एवं कर्मठ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनायें। सिंह ने पोस्ट में कहा कि उनके नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने सुशासन, सुरक्षा, विकास एवं जनकल्याण के क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां अर्जित की हैं। उनके दृढ़ संकल्प और अथक परिश्रम के परिणामस्वरूप आज उत्तर प्रदेश प्रगति और समृद्धि के पथ पर तेज गति से अग्रसर है। रक्षा मंत्री ने कहा कि ईश्वर से प्रार्थना है कि वह उन्हें उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु तथा जनसेवा के लिए निरंतर ऊर्जा और शक्ति प्रदान करें। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने अपने आधिकारिक श्एक्सश पर एक पोस्ट में कहा कि उत्तर प्रदेश के लोकप्रिय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जन्मदिन की ढेरों शुभकामनाएं। चौधरी ने कहा कि प्रभु श्री राम से आपके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और मंगलमय जीवन की कामना करता हूं। बसपा प्रमुख और उप्र की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने श्एक्सश पर कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री व भाजपा के वरिष्ठ नेता योगी आदित्यनाथ को आज उनके जन्मदिन पर हार्दिक बधाई एवं उनके स्वस्थ्य जीवन व दीर्घायु होने की भी शुभकामनायें। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अपने बधाई संदेश में एक्स पर कहा कि उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, आपको जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएं! मौर्य ने कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम से आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना करता हूं। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने एक्स पर पोस्ट में लिखा कि उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आपको जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। ईश्वर से आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं सुदीर्घ जीवन की मंगलकामना है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जन्म 5 जून 1972 को हुआ था।

यूपी में सरकारी वकीलों की फीस 50: बढ़ी, अधिवक्ताओं ने सीएम का जताया आभार

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा विभिन्न अदालतों में राज्य सरकार की ओर से पैरवी करने वाले शासकीय अधिवक्ताओं की रिटेनरशिप एवं बहस फीस में वृद्धि किए जाने के निर्णय का अधिवक्ता समुदाय ने स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रति आभार व्यक्त किया है। राज्य के महाधिवक्ता और उनकी पूरी टीम ने इसे ऐतिहासिक निर्णय बताया है। यहां जारी बयान में अधिवक्ताओं ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अदालतों में राज्य के हितों की प्रभावी पैरवी सुनिश्चित करने की आवश्यकता को समझते हुए इस विषय पर पहल की और अब प्रदेश मंत्रिमंडल ने रिटेनरशिप एवं बहस फीस में ऐतिहासिक वृद्धि का निर्णय लेकर अधिवक्ता समुदाय की लंबे समय से चली आ रही अपेक्षा को पूरा किया है। बयान के अनुसार, यह निर्णय केवल फीस वृद्धि का विषय नहीं है, बल्कि न्यायिक व्यवस्था को अधिक सक्षम, उत्तरदायी और परिणामोन्मुख बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है जिससे अदालतों में राज्य सरकार के मामलों की गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध पैरवी को और बल मिलेगा। महाधिवक्ता अजय मिश्र ने कहा कि विभिन्न श्रेणी के पैनल अधिवक्ताओं तक इस निर्णय का व्यापक लाभ पहुंचेगा। उन्होंने कहा कि बदलते न्यायिक परिदृश्य, मुकदमों की बढ़ती संख्या, जटिल विधिक विषयों तथा अधिवक्ताओं की बढ़ी जिम्मेदारियों को देखते हुए पारिश्रमिक संरचना के पुनरीक्षण की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी। विशेष रूप से जनपद अदालतों के अधिवक्ताओं की फीस में लगभग 10 वर्ष तथा महाधिवक्ता स्तर पर लगभग 14 वर्ष बाद संशोधन किया जाना प्रदेश सरकार की संवेदनशीलता और दूरदर्शिता को दर्शाता है।

हरियाली का महाअभियान, 9 सालों में 242 करोड़ पौधों का रोपण

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि पिछले नौ वर्षों के दौरान राज्य में वन महोत्सव के अवसर पर पौधारोपण के क्रम में अब तक 242 करोड़ पौधे लगाने के एक बड़े कार्यक्रम को सफलतापूर्वक आगे बढ़ाया जा चुका है। विश्व पर्यावरण दिवस–2026 के मौके पर यहां आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पहले ही वर्ष (योगी के नेतृत्व में भाजपा सरकार के गठन के शुरुआती वर्ष) 2017 में डबल इंजन की सरकार ने पांच करोड़ पौधरोपण का कार्य अपने हाथों में लिया था। उन्होंने कहा मुझे प्रसन्नता है कि उस समय तमाम चुनौतियां थी, न नर्सरी थी, न बड़े कार्यक्रम को आगे बढ़ाने का कोई अनुभव था, लेकिन बाद में वन विभाग और प्रदेश सरकार के अन्य विभागों ने मिलकर एक बड़े लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में कार्य किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि गत नौ वर्षों में प्रदेश के अंदर वन महोत्सव के अवसर पर पौधारोपण के क्रम में अब तक 242 करोड़ पौधरोपण के एक बड़े कार्यक्रम को सफलतापूर्वक आगे बढ़ाया जा चुका है। योगी ने कहा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रकृति और मातृभूमि के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम की शुरुआत तीन वर्ष पहले की थी। उसी अभियान की कड़ी में आज फिर उप्र में यह आयोजन हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा जननी और जन्मभूमि के प्रति कृतज्ञता हर नागरिक का दायित्व है। पर्यावरण की रक्षा मातृभूमि के प्रति हमारे सर्वोच्च दायित्वों में से एक है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण की रक्षा करने के लिए एक ओर वृहद पैमाने पर पौधरोपण करना और दूसरी ओर पर्यावरण संबंधी चुनौतियों के समाधान के लिए कई कदम उठाए गए हैं।

महापौर ने नगर आयुक्त के साथ लगाई झाड़ू,विश्व पर्यावरण दिवस पर किया जागरूक

लखनऊ,संवाददाता। विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर आज लखनऊ नगर निगम ने पूरे शहर में मेगा स्वच्छता अभियान शुरू किया। इस अभियान की शुरुआत हजरतगंज चौराहे पर गांधी प्रतिमा से हुई। यहां से महापौर सुषमा खर्कवाल ने नगर आयुक्त गौरव कुमार के साथ सड़क पर झाड़ू लगाकर विशेष सफाई अभियान को हरी झंडी दिखाई।

संगीत नाटक अकादमी सम्मान समारोह में ब्रजेश पाठक ने पढ़ा राज्यपाल का संदेश

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने शुक्रवार को कहा कि कला केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि समाज के नैतिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक उत्थान का एक सशक्त साधन है। जन भवन, लखनऊ के गांधी सभागार में उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी, लखनऊ द्वारा आयोजित अकादमी सम्मान समारोह–2026 में राज्यपाल ने अपना संदेश दिया। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने राज्यपाल का संदेश उपस्थित जनों के समक्ष पढ़कर सुनाया। राज्यपाल ने अपने संदेश में कहा कि आज का अवसर हमें कला के महत्व को समझने, उसे संरक्षित करने तथा आने वाली पीढ़ियों तक उसकी गरिमा को अक्षुण्ण बनाए रखने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि किसी सभ्यता की आत्मा को समझना हो तो उसके लोकगीतों और लोकनाट्यों को समझना आवश्यक है, क्योंकि लोक–संस्कृति हमारी परंपराओं की वह जीवंत धारा है, जो पीढ़ी–दर–पीढ़ी हमारी पहचान को प्रवाहित करती आई है। जन भवन से जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार यहां गांधी सभागार में उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी, लखनऊ द्वारा आयोजित अकादमी सम्मान समारोह–2026 में प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने पुरस्कार प्रदान किए। बयान के अनुसार समारोह में वर्ष 2021, 2022, 2023 तथा 2024 के लिए चयनित कुल 51 विशिष्ट कलाकारों को संगीत, नृत्य, नाटक एवं लोककलाओं के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान, उत्कृष्ट सृजन, साधना तथा सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण एवं संवर्धन में निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका के लिए अकादमी सम्मान प्रदान कर सम्मानित किया गया। समारोह में प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं, लोक कलाओं एवं भारतीय कलात्मक मूल्यों के संरक्षण और संवर्धन में कलाकारों के अमूल्य योगदान को विशेष रूप से रेखांकित किया गया। अपने संदेश में राज्यपाल ने उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि अकादमी वर्षों से लोक संगीत एवं लोक नाट्य परंपराओं के संरक्षण हेतु सर्वेक्षण और दस्तावेजीकरण का महत्वपूर्ण कार्य कर रही है। उन्होंने कहा, इसके अंतर्गत अब तक लगभग 5500 घंटे से अधिक की दुर्लभ ऑडियो–वीडियो रिकॉर्डिंग सुरक्षित की जा चुकी हैं। कथक के लखनऊ घराने की परंपरा को आगे बढ़ाने के लिए दिवंगत गुरु लच्छू महाराज के मार्गदर्शन में कथक केंद्र की स्थापना की गई तथा अकादमी निरंतर नाट्य समारोहों का आयोजन कर रही है। उपमुख्यमंत्री पाठक ने सभी सम्मानित कलाकारों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भारत केवल भूमि का एक टुकड़ा नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति, ज्ञान, आध्यात्मिकता और मानवीय मूल्यों का वह केंद्र है जिसने सदियों से विश्व को दिशा देने का कार्य किया है।

हिमाचल और जम्मू–कश्मीर यूनिट को मायावती की सख्त हिदायत, बयानबाजी से बचें, चुनावी नतीजों पर दें ध्यान

लखनऊ,संवाददाता। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने शुक्रवार को पार्टी की हिमाचल प्रदेश और जम्मू–कश्मीर यूनिट की अहम समीक्षा बैठक की। बैठक में पार्टी संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने, सर्वसमाज में जनाधार बढ़ाने और आगामी चुनावों में सफलता हासिल करने की रणनीति पर विस्तार से चर्चा हुई। मायावती ने बैठक में पार्टी कार्यकर्ताओं की ओर से पेश की गई प्रगति रिपोर्ट की गहन समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट किया कि पार्टी को आगे बढ़ाने के लिए अब केवल बयानबाजी नहीं, बल्कि जमीनी काम और चुनावी नतीजों पर पूरा ध्यान देना होगा। उन्होने कार्यकर्ताओं को निर्देश दिए कि बहुजनों को अपने वोट की सुरक्षा को अपने आत्म–सम्मान, इज्जत, जान–माल और मजहब की तरह समझना होगा। तभी अंबेडकरवादी मिशन का कारवां अपनी मंजिल तक पहुंच पाएगा। उन्होंने कहा कि बसपा को आगे बढ़ाने के लिए तन, मन और धन से पूरी मुस्तैदी लानी होगी और चुनावी सफलताओं को भी उतना ही महत्व देना होगा जितना संगठनात्मक काम को। बैठक में हाल ही में हिमाचल प्रदेश में सम्पन्न हुए स्थानीय निकाय चुनावों के बाद की राजनीतिक स्थिति पर भी चर्चा हुई। मायावती ने कहा कि हिमाचल में जनता कांग्रेस और भाजपा दोनों से नाराज है। ऐसे में बसपा को जनता के सामने एक बेहतर और भरोसेमंद विकल्प के रूप में उभरना होगा। उन्होंने पार्टी नेताओं से कहा कि वे लोगों की नाराजगी को समझें और जमीनी मुद्दों को उठाकर पार्टी की पकड़ मजबूत करें। जम्मू–कश्मीर यूनिट के कार्यकर्ताओं ने बताया कि प्रदेश के लोगों को लंबे समय से पूर्ण राज्य का दर्जा मिलने का इंतजार है। इस वादे के लगातार लम्बित रहने से अब लोगों में निराशा और दुख बढ़ता जा रहा है। कार्यकर्ताओं का मानना है कि पूर्ण राज्य का दर्जा न मिलने से न केवल सुरक्षा व्यवस्था प्रभावित हो रही है, बल्कि पूरे क्षेत्र में अपेक्षित मानव और क्षेत्रीय विकास भी सही तरीके से नहीं हो पा रहा है। इससे लोगों का जीवन लगातार आशंकित बना हुआ है। मायावती ने इस मुद्दे पर भी अपनी चिंता जताई और कहा कि केंद्र सरकार को जम्मू–कश्मीर के लोगों की भावनाओं का सम्मान करना चाहिए। साथ ही पार्टी कार्यकर्ताओं को निर्देश दिए कि वे लोगों के बीच जाकर उनकी समस्याओं को सुनें और बीएसपी को उनके संघर्ष की आवाज बनाएं। उन्होंने कहा कि देश के अन्य राज्यों की तरह हिमाचल और जम्मू–कश्मीर में भी सर्वसमाज, खासकर बहुजन समाज के लोग गरीबी, बेरोजगारी, अशिक्षा और पिछड़ेपन की बड़ी चुनौती से जूझ रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

योगी बोले हमने नल लगवाए, कोई टोटी चोरी कर रहा है,जन्मदिन पर समर्थकों ने खून से बधाई संदेश लिखा

लखनऊ,संवाददाता। राजधानी लखनऊ में सीएम योगी ने कहा कि हमें पानी बचाने के लिए काम करना होगा। इसलिए हमने हर घर नल की योजना को बढ़ाया। पता चला कि कोई टोटी चोरी कर रहा है। कोई अन्य तरह से उसका नुकसान कर रहा है। खुला है तो खुला हुआ है। यह कहते हुए सीएम मुस्कुराने लगे। उन्होंने कहा अगर कोई नल खुला छोड़कर जाए तो उसे टोकना चाहिए। समाज के लोगों का दायित्व है कि वे सरकारी संपत्तियों का नुकसान करने वालों को रोकें। योगी इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में शुक्रवार को पर्यावरण दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। सियासी गलियारे में लोग इस बयान को सपा मुखिया अखिलेश यादव से जोड़कर देख रहे हैं। दरअसल, टोटी चोरी का मामला 2017 में सपा के यूपी की सत्ता से हटने के बाद सामने आया था। बतौर सीएम अखिलेश को 4–विक्रमादित्य मार्ग पर आवास आवंटित था। सुप्रीम कोर्ट ने सभी पूर्व सीएम को आवास खाली करने का आदेश दिया था। अखिलेश ने भी अपना आवास खाली कर दिया। इसके बाद भाजपा के लोगों ने उन पर टोटी चोरी करने का इल्जाम लगाना शुरू कर दिया था। अखिलेश कई बार इन आरोपों का जवाब दे चुके हैं। उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि हमारे ऊपर इल्जाम लगा कि हम टोटी ले गए। मेरे जाने के बाद सीएम आवास को गंगाजल से धुलवाया गया। यह सब आप भूल सकते हो, मैं नहीं। आज सीएम योगी के 54वें जन्मदिन पर महोबा में बुंदेली समाज के लोगों ने अपने खून से 54 बधाई संदेश लिखकर उन्हें शुभकामनाएं दीं। गृह मंत्री अमित शाह से लेकर बसपा सुप्रीमो ने सीएम योगी को शुभकामनाएं दीं। इससे पहले, पर्यावरण दिवस पर यूपी में 5 करोड़ पौधे लगाए गए। योगी ने 5, कालिदास मार्ग पर पौधा रोपकर अभियान की शुरुआत की। इसके बाद कुकरैल पहुंचे। औषधि वन की स्थापना की। स्कूली बच्चों को मिठाई बांटी।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, अपर्णा यादव से मिले,प्रतीक यादव के निधन पर शोक व्यक्त किया

लखनऊ,संवाददाता। केंद्रीय रक्षामंत्री और लखनऊ के सांसद राजनाथ सिंह शुक्रवार दोपहर अपर्णा यादव से मिलने उनके घर पहुंचे। यहां उन्होंने प्रतीक यादव के निधन पर शोक व्यक्त किया। राजनाथ सिंह के साथ 5 गाड़ियों का काफिला था। वह आज से 3 दिन तक लखनऊ में ही रहेंगे। सुबह 11.30 बजे एयरपोर्ट पर उतरे। उन्हें डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक और लखनऊ मेयर सुषमा खर्कवाल ने रिसीव किया। इसके बाद रक्षामंत्री सीधे कृष्णानगर पहुंचे। वहां व्यापार मंडल के उपाध्यक्ष दिवंगत अशोक मोतियानी के परिजनों से मुलाकात की थी। दोपहर 12.15 बजे राजनाथ सिंह कैंट स्थित कस्तूरबा पार्क में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण किया। इसके बाद वह उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव के आवास पहुंचेंगे और फिर कालिदास मार्ग स्थित आवास पहुंचे। यहां करीब 30 मिनट तक वह आवास में ही रहे। इस दौरान उनके साथ डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक और मेयर सुषमा खर्कवाल भी मौजूद रहीं। भाजपा महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने बताया रक्षामंत्री कृष्णानगर के हिंद नगर में अशोक मोतियानी के परिजनों से मिले। इसके बाद दिवंगत कपड़ा व्यापारी दर्शन लाल कुर्ती के आवास पहुंचकर परिजनों से मुलाकात की और शोक संवेदना व्यक्त कर ढाढ़स बंधाया। शाम 4 बजे रक्षामंत्री दिलकुशा लॉन में आयोजित बायोयुग ग्रीन कमांड कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। इसके बाद शाम 5.25 बजे सीतापुर रोड स्थित सेवा अस्पताल परिसर में आयोजित रामकथा महोत्सव में शामिल होंगे, जहां जगद्गुरु रामभद्राचार्य की श्रीरामकथा सुनेंगे। 6 जून को राजनाथ सिंह गोमतीनगर और निराला नगर में विभिन्न परिवारों से मुलाकात करेंगे। शाम को हरदोई रोड स्थित मिलेनियम पैलेस में पश्चिम मंडल–2 के प्रबुद्ध नागरिकों के साथ संवाद कार्यक्रम में शामिल होंगे। वहीं, 7 जून को आलमबाग स्थित जीपी होटल एंड बैंक्वेट में कैंट मंडल–1 के प्रबुद्ध नागरिकों और गणमान्य लोगों से संवाद करने के बाद नई दिल्ली के लिए रवाना होंगे।

आम तोड़ने चढ़ा युवक पेड़ से गिरा, मौत

लखनऊ,संवाददाता। काकोरी इलाके में आम तोड़ने के दौरान पेड़ से गिरकर घायल हुए युवक की इलाज के दौरान ट्रॉमा सेंटर में मौत हो गई। मृतक का दो दिन पहले ही जन्मदिन था, जिसे उसकी 11 वर्षीय बेटी ने बड़े उत्साह के साथ मनाया था। काकोरी ग्राम हलवापुर निवासी मुकेश गौतम (37) पुत्र हरीश चंद्र गौतम आम तोड़ने के लिए घर के पास ही लगे पेड़ पर चढ़े थे। इसी दौरान संतुलन बिगड़ने से वह मुंह के बल नीचे गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजन उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले गए, जहां से ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। मुकेश आर्टिफिशियल ज्वेलरी का काम करते थे। उनकी मौत से परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। परिजनों ने बताया कि करीब तीन साल पहले मुकेश का पत्नी से तलाक हो गया था। उनकी 11 वर्षीय बेटी पारी है, जिससे उन्हें बेहद लगाव था। परिवार के मुताबिक, दो दिन पहले ही मुकेश का जन्मदिन था। बेटी पारी ने पिता का जन्मदिन मनाया था और केक भी कटवाया था। परिवार जन्मदिन की खुशियों में ही था कि इस हादसे ने सबको गम में डुबो दिया। मुकेश के परिवार में मां सावित्री देवी, तीन भाई अशोक, अमित और आकाश, बहनें सीमा और कोमल हैं।

सिक्योरिटी गार्ड की पिटाई से लोहिया संस्थान में महिला बेहोश, पुलिस जांच में जुटी

लखनऊ,संवाददाता। राजधानी लखनऊ में डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान में एक महिला के साथ मारपीट मामला सामने आया है। आरोप है कि संस्थान के सिक्योरिटी गार्ड्स ने महिला को इस कदर पीटा कि वह बेहोश होकर जमीन पर गिर गई। मौके पर पहुंची पुलिस महिला सिपाहियों की मदद से महिला को धूप से छांव में ले गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, संस्थान परिसर में किसी बात को लेकर महिला और सुरक्षा कर्मियों के बीच विवाद हुआ। आरोप है कि विवाद के दौरान सुरक्षा गार्ड्स ने महिला के साथ मारपीट की। घटना के बाद महिला की हालत बिगड़ गई और वह जमीन पर गिरकर बेहोश हो गई। घटना के दौरान मौजूद कुछ लोगों ने महिला की हालत का वीडियो बनाने की कोशिश की। आरोप है कि सुरक्षा कर्मियों ने वीडियो रिकॉर्डिंग रोकने का प्रयास किया और लोगों को वहां से हटाने की कोशिश की।

ये पांच नियम बनाएंगे विश्व कप मुकाबलों को सुपरफास्ट

नई दिल्ली। फीफा विश्व कप का काउंटडाउन शुरू हो चुका है और अगले कुछ दिनों में फुटबॉल का महाकुंभ शुरू होने वाला है। इस बार विश्व कप कई मायनों में खास रहने वाला है। आइए जानते हैं वो पांच नए नियम जो इस बार लागू होंगे... फुटबॉल मैच को दूसरी टीम के पक्ष में झुकता देखकर समय बर्बाद करने का फंडा लगभग हर टीम की प्रमुख रणनीति होता है। हालांकि फीफा विश्व कप 2026 में समय बर्बाद करने से रोकने और खेल की गति बढ़ाने के लिए तय किए गए कुछ खास नियम लागू होंगे। ये नियम इसी साल फरवरी में इंटरनेशनल फुटबाल एसोसिएशन बोर्ड (आईएफएबी) की 140वीं वार्षिक आम बैठक में तय हुए थे, जो इस फुटबाल महाकुंभ से स्वतः लागू हो जाएंगे। फुटबॉल नियम बनाने वाली आईएफएबी की तरफ से तय किए गए पांच नए नियमों के बारे में हम बता रहे हैं, जिनसे फीफा विश्व कप के मैच इस बार सुपरफास्ट नजर आएंगे। चोट लगने पर उपचार की समय सीमा चोट लगने पर खिलाड़ी के लिए फिजियो से ऑन– फील्ड उपचार लेने की भी समयसीमा तय हुई है। ऐसे खिलाड़ी को इलाज कराने के बाद कम से कम एक मिनट के लिए मैदान से बाहर रहना होगा। खिलाड़ी को बीच मैच में बदलने के लिए भी 10 सेकेंड की समय सीमा रहेगी। रेफरी के बदलाव का संकेत देने के 10 सेकेंड के अंदर ही दोनों खिलाड़ियों को अंदर–बाहर आना–जाना होगा। 10 सेकेंड में बदलाव नहीं होने पर टीम को 60 सेकेंड तक एक खिलाड़ी के बिना ही मैच

में आगे खेलना होगा। रेफरी के लिए बढ़ेगी वीएआर की मदद मैच के दौरान वीडियो असिस्टेंट रेफरी (वीएआर) प्रोटोकॉल में भी तीन बदलाव किए गए हैं। बीएआर गलत तरीके से मिले दूसरे पीले कार्ड के कारण दिए रेड कार्ड की समीक्षा कर पाएगा। छूटी हुई गेंद को लेकर नया नियम ड्रॉप बॉल केस में खेल न रुकने की स्थिति में गेंद को अपने पास रखने वाली टीम को इसका कब्जा मिलेगा। रोजर मिलारू फीफा विश्व कप के इतिहास में सबसे अधिक उम्र में गोल करने का रिकॉर्ड रोजर मिला के नाम है।

संक्षिप्त

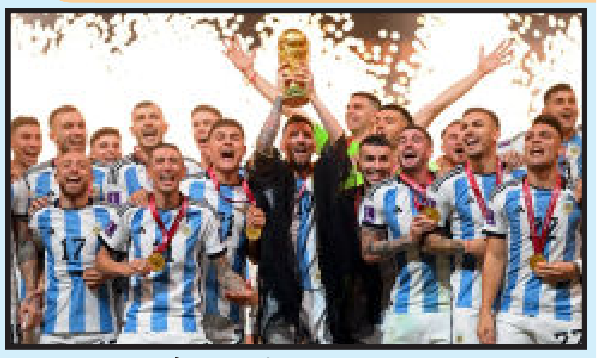

फ्रांस–स्पेन की हार का फायदा

जैसे–जैसे राष्ट्रीय टीमें 2026 फीफा विश्व कप की तैयारी कर रही हैं, स्पेन और फ्रांस के बीच हुए हालिया मैत्रीपूर्ण मैचों के परिणामों के बाद अर्जेंटीना फीफा रैंकिंग में नंबर एक स्थान फिर से हासिल करने के लिए तैयार है। गुरुवार को स्पेन ने अमेरिका जाने से पहले अपने घरेलू मैदान पर खेले गए आखिरी मैच में ला कोरुना के एस्टाडियो रियाजोर में इराक के खिलाफ 1–1 से ड्रॉ खेला। वहीं, वर्ल्ड सॉकर टॉक के अनुसार, फ्रांस को नैनटेस के स्टाडे डे ला बोजोइरे में आइवरी कोस्ट से 2–1 से हार का सामना करना पड़ा। इन नतीजों के चलते अर्जेंटीना सोमवार को जारी होने वाली फीफा रैंकिंग में फिर से शीर्ष स्थान हासिल कर लेगा। मार्च में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट सत्र समाप्त होने के बाद से फ्रांस स्पेन को पीछे छोड़कर शीर्ष पर बना हुआ है। इससे पहले, लुइस डे ला फुएंते के नेतृत्व वाली स्पेन की टीम ने जुलाई 2025 में अर्जेंटीना का शीर्ष स्थान का कार्यकाल समाप्त कर दिया था। अर्जेंटीना ने कतर में 2022 फीफा विश्व कप जीतने के बाद से अपनी बढ़त बनाए रखी थी। 1992 में फीफा रैंकिंग की शुरुआत के बाद से, विश्व कप में सर्वोच्च रैंकिंग के साथ प्रवेश करने वाली कोई भी टीम टूर्नामेंट नहीं जीत पाई है। उदाहरण के लिए, जर्मनी 1994 में शीर्ष स्थान पर था, लेकिन ब्राजील से हार गया। इसी तरह, ब्राजील ने 1998 के टूर्नामेंट में शीर्ष रैंकिंग के साथ प्रवेश किया, लेकिन फाइनल में फ्रांस से हार गया। जिनेदिन जिदान के नेतृत्व वाली फ्रांसीसी टीम 2002 में शीर्ष रैंकिंग पर थी, फिर भी ब्राजील ने चौंपियनशिप जीती। ब्राजील ने 2006 विश्व कप में भी नंबर एक रैंकिंग के साथ प्रवेश किया, लेकिन इटली ने खिताब जीता। 2010 में, ब्राजील ने नंबर एक रैंकिंग बरकरार रखी, लेकिन अंततः स्पेन ने टूर्नामेंट जीता।

सुप्रीम कोर्ट ने याचिका निपटाई

महिला पहलवान विनेश फोगाट और भारतीय कुश्ती महासंघ के बीच चल रहे चयन विवाद में सुप्रीम कोर्ट ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। अदालत ने भारतीय कुश्ती महासंघ की उस याचिका का समाधान कर दिया है, जिसमें दिल्ली उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती दी गई थी जिसके तहत विनेश फोगाट को वर्ष 2026 एशियाई खेलों के चयन ट्रायल में हिस्सा लेने की अनुमति दी गई थी। बता दें कि न्यायमूर्ति पी. एस. नरसिम्हा और न्यायमूर्ति अरविंद कुमार की पीठ ने सुनवाई के दौरान कहा कि बाद में हुई घटनाओं के कारण यह मामला अब अप्रासंगिक हो चुका है। इसलिए इस पर विस्तृत सुनवाई की आवश्यकता नहीं रह गई है। अदालत ने स्पष्ट किया कि वह दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा की गई टिप्पणियों की जांच नहीं कर रही है और उसके आदेश को उन टिप्पणियों की मंजूरी के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। मौजूद जानकारी के अनुसार सुनवाई के दौरान भारतीय कुश्ती महासंघ की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता डी. एन. गोबर्धुन ने अदालत को बताया कि विनेश फोगाट को चयन ट्रायल में भाग लेने की अनुमति दी गई थी, लेकिन वह चयनित होने में सफल नहीं हो सकीं। उन्होंने यह भी कहा कि ट्रायल के दौरान कई विवाद उठे थे। गौरतलब है कि भारतीय कुश्ती महासंघ ने दिल्ली उच्च न्यायालय के 22 मई के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में विनेश फोगाट को 2026 एशियाई खेलों के लिए आयोजित चयन ट्रायल में भाग लेने की अनुमति दी थी। इसके बाद मामला सर्वोच्च न्यायालय तक पहुंचा था। इससे पहले 29 मई को सुप्रीम कोर्ट ने भी विनेश फोगाट को 30 और 31 मई को आयोजित चयन ट्रायल में भाग लेने की अनुमति दी थी। अदालत ने उस समय यह सुनिश्चित किया था कि खिलाड़ी को प्रतिस्पर्धा का अवसर मिले और चयन प्रक्रिया प्रभावित न हो। सुनवाई के दौरान भारतीय कुश्ती महासंघ की ओर से यह भी दलील दी गई कि दिल्ली उच्च न्यायालय ने महासंघ के कुछ फैसलों को दुर्भावनापूर्ण और निंदनीय बताया था। महासंघ का कहना था कि ऐसी टिप्पणियों को रिकॉर्ड से हटाया जाना चाहिए क्योंकि मामला अभी भी उच्च न्यायालय की एकल पीठ के समक्ष लंबित है। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने इस मुद्दे पर कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। अदालत ने कहा कि वह सभी कानूनी और तथ्यात्मक प्रश्नों को खुला छोड़ रही है ताकि भविष्य में यदि आवश्यकता पड़े तो संबंधित मंच पर इन पर विचार किया जा सके। बता दें कि पिछले कुछ वर्षों में भारतीय कुश्ती महासंघ और कई पहलवानों के बीच विवाद लगातार चर्चा में रहे हैं। विनेश फोगाट भी उन प्रमुख खिलाड़ियों में शामिल रही हैं जिन्होंने खेल प्रशासन और चयन प्रक्रियाओं को लेकर सार्वजनिक रूप से अपनी बात रखी थी। ऐसे में यह मामला केवल एक खिलाड़ी के चयन तक सीमित नहीं रहा, बल्कि खेल प्रशासन और खिलाड़ियों के अधिकारों से जुड़ा विषय भी बन गया था। फिलहाल चयन ट्रायल की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और विनेश फोगाट उसमें सफल नहीं हो सकीं हैं। इसी कारण सुप्रीम कोर्ट ने माना कि याचिका पर आगे सुनवाई करने का कोई व्यावहारिक उद्देश्य नहीं बचा है। हालांकि अदालत द्वारा सभी प्रश्न खुले छोड़ने का अर्थ है कि भविष्य में यदि कानूनी विवाद आगे बढ़ता है तो संबंधित पक्ष अपने तर्क फिर से प्रस्तुत कर सकते हैं। इस मामले पर खेल जगत और कानूनी विशेषज्ञों की नजर बनी हुई हैं।

मैं नहीं चाहता वो बदले

टीम इंडिया के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने आखिरकार विकेटकीपर–बल्लेबाज ऋषभ पंत की जगह केएल राहुल को टेस्ट उप–कप्तान बनाए जाने पर अपनी चुप्पी तोड़ी। जब अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच के लिए टीम की घोषणा हुई, तो प्रशंसकों को पंत को देखकर झटका लगा और उन्हें शुभमन गिल के उप–कप्तान का पद भी गंवाना पड़ा। पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज ने इस मामले पर चुप्पी साधे रखी, लेकिन एक तीखा बयान देते हुए कहा कि अनुभवी बल्लेबाज को मैच की परिस्थितियों का सम्मान करना चाहिए।

पहली बार ग्रैंडस्लैम के फाइनल में पहुंचीं मिरा आंद्रिवा, मार्ता कोस्तयुक को सेमीफाइनल में हराया

पेरिस। रूस की मिरा आंद्रिवा ने महिला एकल वर्ग के सेमीफाइनल में यूक्रेन की मार्ता कोस्तयुक को हराकर पहली बार फ्रेंच ओपन के फाइनल में जगह बनाई है। यह पहली बार है जब वह किसी ग्रैंडस्लैम के खिताबी मुकाबले में पहुंची हैं। रूस की मिरा आंद्रिवा ने अपने करियर की सबसे बड़ी जीत दर्ज करते हुए फ्रेंच ओपन में महिला एकल वर्ग के फाइनल में जगह बना ली है। 19 साल की आंद्रिवा ने सेमीफाइनल में यूक्रेन की मार्ता कोस्तयुक को एक घंटे 16 मिनट तक चले मुकाबले में 6–1, 6–3 से हराया और पहली बार किसी ग्रैंडस्लैम के खिताबी मुकाबले में प्रवेश कर लिया है। इस सीजन कोस्तयुक के खिलाफ जीता पहला मैच आंद्रिवा के लिए यह जीत काफी महत्वपूर्ण है। ऐसा इसलिए नहीं क्योंकि वह पहली बार किसी बड़े टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंची हैं, बल्कि इसलिए भी क्योंकि यह उनकी कोस्तयुक के खिलाफ पहली जीत है। आंद्रिवा को यूक्रेन की इस खिलाड़ी के खिलाफ इस सीजन पिछले दो मैचों में हार का सामना करना पड़ा था। आंद्रिवा इससे पहले कोस्तयुक के खिलाफ एक सेट भी जीत सकी थीं, लेकिन उन्होंने फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में इस प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ निडर होकर खेला और शुरुआत से लेकर अंत तक दमदार प्रदर्शन किया। दो साल पहले टूट गया था फाइनल में जाने का सपना दो साल पहले 2024 में आंद्रिवा का रोलां गैरां पर सफर जैस्मीन पाओलिनी के खिलाफ सेमीफाइनल में हार के साथ खत्म हुआ था। इस बार उन्होंने पिछली गलतियों से सीखा और यह सुनिश्चित किया कि इस बार वह फाइनल में पहुंचने में सफल रहें। आंद्रिवा ने इसके साथ ही कोस्तयुक से पिछले महीने मैड्रिड ओपन के फाइनल में मिली हार का हिसाब चुकता किया।

फाइनल में पहुंचने वाली पहली क्वालिफायर खिलाड़ी बनीं माजा च्वालिंस्का

पेरिस। माजा च्वालिंस्का ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फ्रेंच ओपन के फाइनल में जगह बना ली है। महिला एकल वर्ग के सेमीफाइनल में उन्होंने डायना श्नाइडर को सीधे सेटों में हराया। पोलैंड की 24 वर्षीय टेनिस खिलाड़ी माजा च्वालिंस्का ने फ्रेंच ओपन 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए इतिहास रच दिया है। उन्होंने महिला एकल सेमीफाइनल में रूस की डायना श्नाइडर को सीधे सेटों में 7–6(4), 6–4 से हराकर पहली बार ग्रैंडस्लैम फाइनल में जगह बनाई। इसके साथ ही वह रोलां गैरां के इतिहास में महिला एकल फाइनल तक पहुंचने वाली पहली क्वालिफायर खिलाड़ी बन गई हैं।

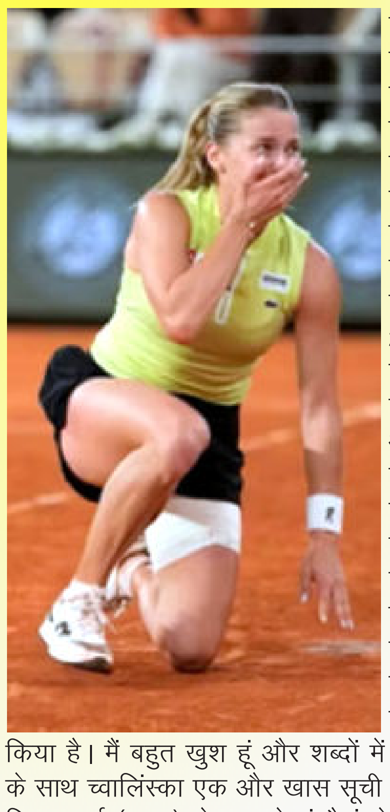

ओपन एरा में ग्रैंडस्लैम फाइनल तक पहुंचने वाली दूसरी क्वालिफायर विश्व रैंकिंग में 114वें स्थान पर मौजूद च्वालिंस्का ने इस टूर्नामेंट में अब तक कुल नौ मुकाबले जीते हैं। इनमें तीन मैच क्वालिफाइंग दौर और छह मैच मुख्य ड्रॉ में शामिल हैं। उनकी इस उपलब्धि ने उन्हें ओपन एरा में ग्रैंडस्लैम फाइनल तक पहुंचने वाली सिर्फ दूसरी क्वालिफायर बना दिया है। इससे पहले, यह कारनामा ब्रिटेन की एम्मा राडुकानू ने 2021 यूएस ओपन में किया था, जहां उन्होंने खिताब भी जीता था। सेमीफाइनल मुकाबले में च्वालिंस्का ने अपने शानदार खेल से सभी को प्रभावित किया। उन्होंने गति और शॉट्स की दिशा में लगातार बदलाव करते हुए श्नाइडर पर दबाव बनाए रखा। इसके साथ ही उनकी बेहतरीन फिटनेस, तेज मूवमेंट और मजबूत डिफेंस ने जीत में अहम भूमिका निभाई। च्वालिंस्का और श्नाइडर के बीच हुआ सेमीफाइनल मुकाबला दो घंटे 10 मिनट तक चला। विशेष सूची में शामिल हुईं च्वालिंस्का जीत के बाद भावुक नजर आईं च्वालिंस्का कोर्ट पर ही बैठ गईं। उन्होंने कहा, श्यह किसी सपने के सच होने जैसा है। मुझे अभी भी यकीन नहीं हो रहा कि मैंने क्या हासिल किया है। मैं बहुत खुश हूं और शब्दों में अपनी भावना व्यक्त नहीं कर सकती।श इस उपलब्धि के साथ च्वालिंस्का एक और खास सूची में शामिल हो गई हैं। वह इवोन गूलागोंग (1971) और क्रिस एवर्ट (1973) के बाद रोलां गैरां के मुख्य ड्रॉ में अपने पहले ही अभियान में फाइनल तक पहुंचने वाली केवल तीसरी महिला खिलाड़ी बनी हैं। खिताबी मुकाबले में च्वालिंस्का की भिड़ंत आठवीं वरीयता प्राप्त मिरा आंद्रिवा से होगी। दोनों खिलाड़ियों के बीच यह पहली भिड़ंत होगी। ऐसे में फाइनल मुकाबला रोमांचक होने की पूरी उम्मीद जताई जा रही है।

एमपीसी के फैसले बाद घरेलू बाजार में गिरावट

नई दिल्ली। आरबीआई ने रेपो रेट को 5.25: पर बरकरार रखने का फैसला किया। इसके बाद शेयर बाजार में गिरावट देखने को मिली। सेंसेक्स गिरकर 74,350.49 अंक पर आ गया। वहीं निफ्टी 23,399.40 अंक पर आ गया। एमपीसी के फैसले के बाद शेयर बाजार में गिरावट देखने को मिली। 11रू20 बजे तक 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 9.52 अंक गिरकर 74,350.49 अंक पर आ गया। वहीं 50 शेयरों वाला निफ्टी 17.15 अंक गिरकर 23,399.40 अंक पर आ गया। आरबीआई ने ब्याज दरों को 5.25: पर तटस्थ रखने का फैसला किया है। ओपनिंग का हालरू सेंसेक्स और निफ्टी में अच्छी बढ़त सुबह 09रू32 बजे के आंकड़ों के अनुसार, बीएसई सेंसेक्स 197.90 अंक यानी 0.26 प्रतिशत की मजबूत छलांग के साथ 74,557.91 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी पीछे नहीं है और यह 51.41 अंक या 0.22 प्रतिशत की तेजी के साथ 23,467.95 के महत्वपूर्ण स्तर को पार कर गया है। इन्फोसिस और अदाणी पोर्ट्स ने दिखाया दम शुरुआती कारोबार में बाजार को ऊपर खींचने में कुछ प्रमुख लार्ज–कैप शेयरों का बड़ा योगदान रहा है। आईटी और इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर के शेयरों में निवेशकों की भारी दिलचस्पी देखी गई। विशेष रूप से दिग्गज आईटी कंपनी इन्फोसिस और अदाणी पोर्ट्स के शेयरों में 2–2 प्रतिशत की शानदार तेजी दर्ज की गई है, जिसने सूचकांकों को मजबूत समर्थन दिया है। रेंज–बाउंड रहेगा बाजार, निवेशकों की सतर्क चाल बाजार विश्लेषकों का अनुमान है।

क्या है राजेश एक्सपोर्ट्स में 15.15 लाख करोड़ रुपये के घोटाले का सच, एलआईसी पर क्या असर?

नई दिल्ली। सेबी ने राजेश एक्सपोर्ट्स के चेयरमैन राजेश मेहता पर 15.15 लाख करोड़ रुपये की कथित वित्तीय हेराफेरी के मामले में बैन लगाया है। इस पूरे विवाद और सरकारी कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम पर इसके पूरे असर को समझने के लिए पढ़ें पूरी खबर। शेयर बाजार नियामक सेबी ने बुधवार को देश की प्रमुख आभूषण कंपनी राजेश एक्सपोर्ट्स लिमिटेड (आरईएल) और इसके चेयरमैन व प्रबंध निदेशक राजेश मेहता के खिलाफ एक कड़ा अंतरिम एकतरफा आदेश जारी किया है। कंपनी पर वित्त वर्ष 2021 से 2025 के बीच 15.15 लाख करोड़ रुपये के राजस्व को फर्जी तरीके से बढ़ा–चढ़ाकर दिखाने और फंड की हेराफेरी का गंभीर आरोप है। हालांकि कंपनी ने अपने ऊपर लगे आरोपों से साफ इनकार किया है। इस खबर के सामने आते ही कंपनी के शेयरों में भारी गिरावट दर्ज की गई है। आइए आसान भाषा में सवाल–जवाब के जरिए समझते हैं कि यह पूरा मामला क्या है। सवालरू यह पूरा मामला क्या है और सेबी ने क्या कार्रवाई की है? जवाबरू सेबी के पूर्णकालिक सदस्य कमलेश चंद्र वार्ष्णेय ने 109 पेजों का एक अंतरिम आदेश जारी किया है। सेबी की जांच में यह बात सामने आई है कि कंपनी ने कई वर्षों तक गैर–वास्तविक लेनदेन किए, संदेहास्पद अकाउंटिंग की और प्रमोटर ग्रुप से जुड़ी संस्थाओं के जरिए कंपनी के फंड को डायवर्ट किया। इन गंभीर वित्तीय अनियमितताओं के कारण सेबी ने राजेश मेहता को अगले आदेश तक आरईएल की प्रतिभूतियों की खरीद, बिक्री या किसी भी तरह के सौदे करने से रोक (बैन कर) दिया है। सेबी का मानना है कि मेहता ही कंपनी में मुख्य निर्णय लेने वाले व्यक्ति हैं और उनका रोजमर्रा के कामकाज पर पूरा नियंत्रण है। सवालरू राजस्व में हेराफेरी का यह आरोप कितना बड़ा है? जवाबरू आरोपों का पैमाना चौंकाने वाला है। सेबी के अनुसार, राजेश एक्सपोर्ट्स ने वित्त वर्ष 2021 से 2025 के बीच लगभग 15.15 लाख करोड़ रुपये के राजस्व को गलत तरीके से प्रस्तुत किया। नियामक ने यह भी बताया कि यह आंकड़ा इस अवधि के दौरान कंपनी की ओर से रिपोर्ट किए गए कुल राजस्व का लगभग 99.8: है। सेबी के मुताबिक, आरईएल का लगभग 97–99 प्रतिशत राजस्व बढ़ा–चढ़ाकर दिखाया गया था, जो कि अभूतपूर्व है। सवालरू राजेश मेहता कौन हैं और उनकी कंपनी का अब तक का सफर कैसा रहा है? जवाबरू 60 वर्षीय राजेश मेहता का जन्म 20 जून 1964 को बेंगलुरु में हुआ था। उन्होंने 1980 के दशक की शुरुआत में अपने सबसे बड़े भाई से मात्र 1,200 रुपये उधार लेकर अपने भाई प्रशांत के साथ चांदी के आभूषणों का कारोबार शुरू किया था। 1995 में कंपनी ने अपना आईपीओ लाकर 10 करोड़ रुपये जुटाए और पूंजी बाजार में कदम रखा। कंपनी को सबसे बड़ी वैश्विक पहचान साल 2015 में मिली जब उसने 400 मिलियन डॉलर के ऑल–कैश डील में स्विस रिफाइनरी श्वालकैम्बीश का अधिग्रहण किया। फोर्ब्स के अनुसार, अक्तूबर 2019 तक मेहता की कुल संपत्ति 1.57 बिलियन डॉलर आंकी गई थी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक शिल्पी सिंघल द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस, बी.42, सै.7 नोएडा, गौतमबुद्धनगर, से मुद्रित कराकर 136/2/17 शिवम विहार, राजपुर रोड देहरादून (उत्तराखंड) देहरादून उत्तराखंड से प्रकाशित किया। संपादक शिल्पी सिंघल,
फोन न. 9311450661,9810400661 किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा देहरादून के न्यायालय में ही होगा Email:-manasvivani@gmail.com website : www.manasvivani.com

पलक तिवारी

मम्मी के लिए इतना कमाना है कि खर्च करते समय बिल्कुल न सोचें, पैसे उन्हें हाथ का मैल लगें

श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी जल्द ही सीरीज श्लुक्खेश में नजर आएंगी। उन्होंने श्नवभारत टाइम्सश को दिए इंटरव्यू में इस सीरीज के अलावा मॉम श्वेता तिवारी और करियर के बारे में बात की। पलक ने एक दिल छू लेने वाली बात कही कि वह इतने पैसे कमाना चाहती हैं ताकि मॉम को खर्च करने से पहले सोचना न पड़े। श्इतना पैसा कमाना चाहती हूं कि उन्हें...श, पलक तिवारी ने मां को लेकर कही दिल छू लेने वाली बात पलक तिवारी इंडस्ट्री के उन स्टार किड्स में से हैं, जो एक्टिंग की दुनिया में आने से पहले ही सोशल मीडिया पर स्टार बन चुकी थीं, मगर जब जी‑मी

टीवी एक्ट्रेस श्वेता तिवारी की इस बेटी ने एक्टिंग की असली दुनिया में कदम रखा है, तो उन्हें भी अग्नि परीक्षा से गुजरना पड़ रहा है। शबिजली बिजलीश गाने से अपने करियर की शुरुआत करने वाली पलक तिवारी सलमान खान के साथ शकिसी का भाई किसी की जानश में नजर आने के बाद श्भूतनीश में भी दिखीं, मगर इन दिनों वह अपनी नई सीरीज श्लुक्खेश की अपनी भूमिका से तारीफें बटोर रही हैं। उनसे एक खास बातचीत। श्अपनी मम्मी जैसी बनना चाहती हूंश ग्लैमर जगत में आने के साथ ही पलक तिवारी की तुलना उनकी जानी–मानी मशहूर टीवी एक्ट्रेस मां श्वेता तिवारी से होने लगी थी। मगर पलक का कहना है कि लोग भले उन दोनों को एक्ट्रेस की तरह देखें, मगर असल जीवन में वो मां–बेटी हैं। पलक अपनी मां के लिए बहुत कुछ करना चाहती हैं। वह कहती हैं, श्मुझे आज तक पैसे का कोई डर नहीं रहा। जब मेरी मम्मी ने मुझे पैदा किया तो उन्हें जो बनना था, वो बन चुकी थीं। तो मुझे कभी पैसे या किसी चीज की कमी कभी नहीं रही। मगर वो जिस मध्यमवर्गीय माहौल से आती हैं, उनके दिमाग में अभी भी रहता है कि अरे 5 हजार खर्च हो गए, अरे इतने पैसे खर्च हो गए। पता नहीं मेरी मम्मी के लिए वो कितने पैसे होंगे, जब उन्हें ये सोचना न पड़े, मगर मैं इतना पैसा कमाना चाहती हूं कि वो पैसे के बारे में दो बार भी न सोचें। उन्हें कुछ खर्च करते हुए कटौती न करनी पड़े।श मुझे आज तक पैसे का कोई डर नहीं रहा। मगर मम्मी जिस मध्यमवर्गीय माहौल से आती हैं, उनके दिमाग में अभी भी रहता है कि अरे 5 हजार खर्च हो गए, अरे इतने पैसे खर्च हो गए। मैं इतना पैसा कमाना चाहती हूं कि वो पैसे के बारे में दो बार भी न सोचें। उन्हें कुछ खर्च करते हुए कटौती न करनी पड़े। श्मम्मी कभी कोई महंगी चीज नहीं खरीदतीश श्आपको एक दिलचस्प बात बताऊं, मेरी मम्मी कभी कोई महंगी चीज नहीं खरीदती, क्योंकि वो हमेशा यही सोचती हैं कि वो पैसा रेयांश और पलकू पर खर्च करूं। मेरी दिली तमन्ना है कि मैं इतनी अमीर बन जाऊं कि पैसे उन्हें हाथ का मैल लगने लगे।श अपनी बात आगे बढ़ाते हुए वे कहती हैं, श्मैं जैसे जैसे बड़ी होती जा रही हूं, अपनी मम्मी में मिलने लगी हूं। मेरे आस –पास के लोग भी यही कहते हैं, तो मैं चाहती हूं कि मैं ज्यादा से ज्यादा अपनी मां जैसी बनूं। मैं अपनी मम्मी की तरह बन रही हूं और मेरी मम्मी अपनी नानी की तरह।श मेरी मम्मी कभी कोई महंगी चीज नहीं खरीदती, क्योंकि वो हमेशा यही सोचती हैं कि वो पैसा रेयांश और पलकू पर खर्च करूं। मेरी दिली तमन्ना है कि मैं इतनी अमीर बन जाऊं कि पैसे उन्हें हाथ का मैल लगने लगे। श्भाई तो मुझे पूरे घर में नचाता हैश हालिया वेब सीरीज में पलक बहन की एक बेहद इमोशनल भूमिका में हैं। असल जिंदगी में कैसी बहन हैं वो? इस पर वह कहती हैं, श्मेरा भाई नौ साल का है। हर किसी को लगता है कि घर पर मैं बॉसिंग करती होऊंगी, मगर मेरी मजाल क्या है, जो मैं बॉसिंग करूं। घर श्वेता तिवारी का है और उनका फेवरेट बच्चा उनका छोटा वाला है (हंसती हैं) मैं जब मम्मी से कहती हूं कि इसने मुझे मारा, तो वह झट से कहती हैं, तुमने कोई हरकत ही ऐसी की होगी। मेरा छोटा भाई रेयांश मम्मी के पीछे जाकर यही करता है। हाल–फिलहाल मेरी जिंदगी यही है कि नौ साल का एक छोटा–सा बच्चा मुझे लात मार कर पूरे घर में नचवाता रहता है। मगर इसके अलावा मेरे पास और कोई चारा भी नहीं है। (ठहाका लगाती हैं) हालांकि वो मेरे जिगर का टुकड़ा है। मस्ती–मजाक की बात साइड में रख दें, तो उसने मम्मी और नानी के स्ट्रगल को देखा है और वो चीजें समझता है। मैं भी उसके लिए काफी इम्पोर्टेंट हूं। मैं सोचती हूं, इतना अच्छा काम करूं कि उसे मुझ पर गर्व हो। जब मैंने सलमान खान जैसे सुपरस्टार के साथ भी काम किया था, तब भी लोगों ने कहा था, तू कितनी लकी है, मगर मुझे लगता है कि लक के साथ मेहनत भी बहुत जरूरी है। श्लक के साथ मेहनत जरूरीश पलक खुद को बहुत खुशकिस्मत मानती हैं कि फिल्मों में उनकी शुरुआत सलमान खान जैसे सुपरस्टार के साथ शकिसी का भाई किसी की जानश से से हुई। एक्टिंग की दुनिया में अपनी जमीन तलाशती पलक अपनी जर्नी को लेकर कहती हैं, श्हर प्रोजेक्ट और हर रोल के साथ बेहतर होने की कोशिश करती हूं। आपको एक अजीब–सी बात बताऊं? किसी भी ऑडिशन या रोल के लिए मैंने उस वक्त कितना भी अच्छा क्यों न किया हो? या उस वक्त मैं उसमें कितनी ही सही क्यों न लगी होऊं, मगर बाद में मैं खुद को कभी अच्छी नहीं लगी। आज पलट कर देखती हूं, तो लगता है, छि कितनी बुरी लग रही हूं। मुझे कभी ऐसा नहीं लगा कि वह मैंने कितना कमाल का काम किया है। मैं सोचती हूं कि ऐसा करने से मैं खुद को संवारती रह सकती हूं। जब मैंने सलमान खान जैसे सुपरस्टार के साथ भी काम किया था, तब भी लोगों ने कहा था, तू कितनी लकी है, मगर मुझे लगता है कि लक के साथ मेहनत भी बहुत जरूरी है।श टीवी एक्ट्रेस श्ध्वेता की बेटी और खुद भी एक्ट्रेस पलक तिवारी इन दिनों अपनी वेबसीरीज लुक्खे को लेकर चर्चा में हैं। इसी बीच उन्होंने हाल ही में एक इंटरव्यू में अपनी निजी जिंदगी से जुड़ी कुछ दिलचस्प बातें साझा कीं। बातचीत के दौरान पलक ने अपनी मां से मिली एक ऐसी सीख का जिक्र किया, जिसे हर पैरेंट के लिए समझना और उन्ध्हें अपने बच्ध्चों को सध्खिाना बेहद जरूरी है।

सिंगर और कंपोजर अदनान सामी ने अरिजीत सिंह के प्लेबैक सिंगिंग से संन्यास लेने के फैसले का समर्थन किया है। अदनान ने कहा कि अरिजीत के इस कदम का सम्मान किया जाना चाहिए और इस पर किसी भी तरह की अटकलें नहीं लगाई जानी चाहिए। अरिजीत ने इसी साल सोशल मीडिया पर अचानक संन्यास की घोषणा कर फिल्म इंडस्ट्री और फैंस को चौंका दिया था। अदनान बोले– अरिजीत का फैसला जल्दबाजी में नहीं न्यूज एजेंसी पीटीआई (च्ज्प्) को दिए एक इंटरव्यू में 54 वर्षीय अदनान सामी ने कहा, ष्अरिजीत ने प्लेबैक सिंगिंग से संन्यास लेने का फैसला पूरे होशोहवास में किया है। हमें उनके इस फैसले का सम्मान करना चाहिए। यह कोई जल्दबाजी में लिया गया निर्णय नहीं है, बल्कि इसके पीछे उनकी गहरी सोच होगी।ष अदनान ने यह बात जी म्यूजिक कंपनी के तहत रिलीज हुए अपने नए सिंगल शलिपस्टिक लगा के, नजर उतार लेश के लॉन्च के दौरान कही। वजह बताने के लिए अरिजीत बाध्य नहीं अदनान ने आगे कहा कि अरिजीत के लिए जनता को अपनी वजह बताना बिल्कुल जरूरी नहीं है।

हर रोज एयरपोर्ट पर कई सेलेब्स को स्पॉट किया जाता है. अब हाल ही में जैकलीन फर्नांडिस और मौनी रॉय को स्पॉट किया गया. इस दौरान दोनों ने स्टाइलिश लुक से महफिल लूट ली. आइए देखते हैं उनकी ये तस्वीरें. जैकलीन फर्नांडिस को हाल ही में मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया. इस दौरान एक्ट्रेस का काफी स्टाइलिश लुक देखने को मिला. लुक की बात करें तो, जैकलीन ने क्रॉप टॉप और लूज पैंट पहना था. उनका ये लुक काफी यूनिक लग रहा था.जैकलीन ने अपने इस लुक को सटल मेकअप के साथ कंप्लीट किया. गॉग्लस लगाए उन्होंने पैप्स को जमकर पोज दिए हैं. एक्ट्रेस मौनी रॉय को भी इस दौरान एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया. वो काफी कैजुअल लुक में दिखीं. मौनी ने ऑल ब्लैक को–ऑर्ड सेट पहना था. खुले बालों में एक्ट्रेस काफी खूबसूरत दिख रही थी. मौनी एयरपोर्ट पर काफी जल्दी में दिखीं. एयरपोर्ट पर मौजूद पैपराजी ने उन्हें कैमरे में कैप्चर किया. अब उनकी ये फोटोज सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही हैं.

टॉय स्टोरी से इनसाइड आउट तक, पिक्सर की 5 शानदार फिल्में जिन्होंने दर्शकों को हंसाया

रुलाया और सोचने पर मजबूर किया

तीन दशकों से भी अधिक समय से पिक्सर ऐसी कहानियां सुना रहा है, जिन्हें सुनाने का तरीका किसी ने पहले कभी सोचा भी नहीं था। बात करने वाली कारों से लेकर जीवंत खिलौनों तक, पिक्सर ने जिंदगी की साधारण कहानियों को सबसे अनोखे अंदाज में पर्दे पर उतारा है। शानदार एनीमेशन और वुडी (टॉय स्टोरी 5) तथा ऑफिसर जूडी हॉप्स (जूटोपिया) जैसे प्यारे और दिल से जुड़े किरदारों के लिए मशहूर पिक्सर ने सिर्फ फिल्में ही नहीं बनाईं, बल्कि लाखों लोगों को प्रेरित भी किया है। अपनी कहानियों के माध्यम से पिक्सर ने दोस्ती, भावनाओं, पारिवारिक रिश्तों, बड़े होने की प्रक्रिया और दुनिया में अपनी जगह खोजने जैसे विषयों को खूबसूरती से प्रस्तुत किया है। इन फिल्मों ने हमें जिंदगी की खूबसूरती को एक नए नजरिए से देखने का मौका दिया। बच्चों से लेकर बड़ों तक, पिक्सर की हर फिल्म एक ऐसे गर्मजोशी भरे एहसास की तरह लगती है, जो जीवन के सबसे अनमोल पलों को समेटे हुए हो। 19 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही बहुप्रतीक्षित टॉय स्टोरी 5 के साथ हमारे पसंदीदा किरदार एक बार फिर बड़े पर्दे पर लौट रहे हैं। आइए नजर डालते हैं पिक्सर की उन फिल्मों पर जिन्होंने कहानी कहने के अंदाज को हमेशा के लिए बदल दिया। जब 1995 में पहली बार टॉय स्टोरी रिलीज हुई थी, तब उसने दुनिया की पहली पूर्णतः कंप्यूटर–एनीमेटेड फीचर फिल्म बनकर एनीमेशन की दुनिया में क्रांति ला दी थी। लेकिन तकनीक से कहीं बढ़कर, दर्शकों के दिलों में वुडी और बज लाइटइयर जैसे खिलौनों की भावनात्मक कहानी और उनकी प्रतिद्वंद्विता से दोस्ती तक की यात्रा बस गई। अब यही प्रिय किरदार टॉय स्टोरी 5 के साथ फिर लौट रहे हैं। यह फिल्म उस सवाल को तलाशती है कि तेजी से तकनीक–प्रधान होती दुनिया में हमारे सबसे प्रिय खिलौनों की क्या जगह रह जाती है। पुरानी यादों और पिक्सर की खास भावनात्मक गर्माहट से भरपूर यह फिल्म उस विरासत को आगे बढ़ाती है, जो हर पीढ़ी और बदलते समय के साथ जुड़ने वाली कहानियाँ सुनाती है। इनसाइड आउट ने इंसानी जीवन की सबसे जटिल और गहरी चीज भावनाओं को एक खूबसूरत रोमांचक यात्रा में बदल दिया, जहाँ खुशी, उदासी, गुस्सा, डर और घृणा कहानी के नायक बन गए। इन किरदारों के जरिए फिल्म ने दर्शकों को हर भावना के महत्व को समझाया। ऐसे समय में जब मानसिक स्वास्थ्य पर खुलकर बात करना आसान नहीं था, इस फिल्म ने यह धारणा बदली कि सिर्फ खुश रहना ही मायने रखता है। इसने दिखाया कि संवेदनशीलता भी एक ताकत हो सकती है। आज भी यह पिक्सर की सबसे विचारोत्तेजक और भावनात्मक रूप से प्रभावशाली फिल्मों में गिनी जाती है। एक ऐसी दुनिया में आधारित, जहाँ शिकारी और शिकार एक साथ रहते हैं और हर कोई अपनी पहचान खुद बना सकता है, जूटोपिया ने हमें अपने सपनों पर विश्वास करना सिखाया। रोमांचक रहस्य और ऑफिसर जूडी हॉप्स तथा निक वाइल्ड की यादगार जोड़ी के साथ यह फिल्म आत्म–खोज की ऐसी यात्रा प्रस्तुत करती है, जो फिल्म खत्म होने के बाद भी लंबे समय तक दिल में बनी रहती है।ऊपरी तौर पर कार्स एक रेसिंग कार की कहानी लग सकती है, लेकिन वास्तव में यह उससे कहीं अधिक है। इसके केंद्र में जीवन की रफ्तार को थोड़ा धीमा करके उन चीजों को महत्व देने का संदेश है, जो वास्तव में मायने रखती हैं। लाइटनिंग मैक्वीन और मेटर के बीच की अनमोल दोस्ती तथा एक स्वार्थी रेसर से समुदाय और रिश्तों को महत्व देने वाले इंसान तक की उसकी यात्रा ने इस फिल्म को कालजयी बना दिया। इसने दर्शकों को याद दिलाया कि मंजिल से ज्यादा महत्वपूर्ण सफर होता है। हॉपर्स के साथ पिक्सर ने एक बार फिर अपनी रचनात्मक सीमाओं का विस्तार किया। यह एक ऐसी लड़की की कहानी है, जो अपनी चेतना को रोबोटिक जानवरों के शरीर में स्थानांतरित कर सकती है। फिल्म इंसानों और जानवरों के एक ही दुनिया में रहने के बावजूद एक–दूसरे को सही मायनों में न समझ पाने के विचार को सामने लाती है। अपनी कल्पनाशील कहानी के माध्यम से यह फिल्म दिखाती है कि अलग–अलग नजरिए हमें दुनिया को अलग तरह से देखने पर मजबूर करते हैं, और सह–अस्तित्व, संवेदनशीलता तथा सबसे बढ़कर प्रेम का महत्व कितना बड़ा है। टॉय स्टोरी के साथ एनीमेशन को नई परिभाषा देने से लेकर अ बग्स लाइफ में एक स्वतंत्र सोच रखने वाली चींटी, रैटाटुई में एक चूहे के पेशेवर सपनों, इनसाइड आउट में भावनाओं की दुनिया, कार्स और जूटोपिया में यादगार संसारों के निर्माण तथा हॉपर्स जैसी नई कल्पनाओं तक, पिक्सर ने दशकों से यह साबित किया है कि बेहतरीन कहानी कहीं से भी जन्म ले सकती है। हर फिल्म ने कल्पनाशीलता और सार्वभौमिक भावनाओं के मेल से दर्शकों के दिलों पर गहरी छाप छोड़ी है। जैसे ही टॉय स्टोरी 5 वुडी, बज और उनके साथियों को एक बार फिर बड़े पर्दे पर लेकर आने की तैयारी कर रही है, यह उस फ्रेंचाइजी की याद दिलाती है जिसने यह सफर शुरू किया था और उस कहानी कहने की विरासत का जश्न मनाती है जो आज भी दुनिया भर की पीढ़ियों को प्रेरित कर रही है। डिज्नी और पिक्सर की टॉय स्टोरी 5 अंग्रेजी और हिंदी में 19 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

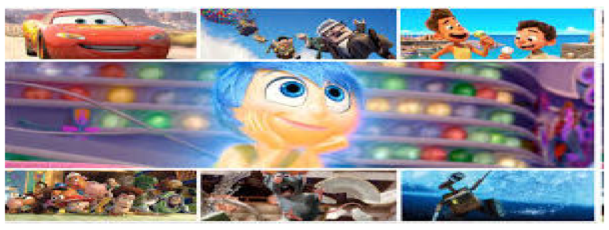

मंत्री मनोज कुमार पांडेय ने विश्व पर्यावरण दिवस पर वृक्षारोपण अभियान का किया शुभारंभ

यह अभियान भावनात्मक जुड़ाव के साथ-साथ समाज में पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी की भावना को भी मजबूत करता है - मा. मंत्री

रायबरेली। मा० मंत्री खाद्य एवं रसद तथा नागरिक आपूर्ति विभाग उ०प्र० सरकार डॉ० मनोज कुमार पाण्डेय ने आज विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जनपद के विकास खण्ड राही अंतर्गत ग्राम कटिहार (पोस्ट भाव) में "एक पेड़ मां के नाम" थीम के तहत वृक्षारोपण कर वृहद वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने अपनी माताजी के नाम एक पौधा रोपित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। मा० मंत्री ने कहा कि देश में आज मा0 प्रधानमंत्री जी के आहवान पर ''एक पेड़ माँ के नाम'' अभियान का शुभारम्भ हुआ है, जिसका आज मुझे शुभ अवसर मिला है और मैने अपनी माँ के नाम एक पेड़ लगाकर जनपद में वृक्षारोपण कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। मै लोगों से आहवान करता हूँ अपने जनपद के लोगों से अपने क्षेत्र के लोगों से कि इस दिन को यादगार बनाये और अधिक से अधिक वृक्षारोपण करें। अपनी माँ के नाम पौध रोपण कर उनकी नियमित देखभाल करें यह हमारा अपनी माँ के प्रति सम्मान होगा। मा० मंत्री ने उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि वृक्ष न केवल पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं स्वस्थ जीवन का आधार भी हैं। उन्होंने कहा कि "एक पेड़ मां के नाम" अभियान भावनात्मक जुड़ाव के साथ–साथ समाज में पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी की भावना को भी मजबूत करता है। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि वे अधिक से अधिक वृक्षारोपण करें तथा लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल सुनिश्चित करें, ताकि वे विकसित होकर पर्यावरण संरक्षण में योगदान दे सकें। मा० मंत्री ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिन का कार्य नहीं, बल्कि यह निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है जिसमें प्रत्येक व्यक्ति की सहभागिता आवश्यक है। डीएफओ प्रखर मिश्र ने बताया कि विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में जनपद में वृहद वृक्षारोपण कराये जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है जिसके अन्तर्गत आज जनपद के विभिन्न स्थानों पर लगभग 8 लाख पौधे रोपित कराये जायेंगे। इस अवसर पर जिला पूर्ति अधिकारी उबैदुरहमान, जिला युवा अधिकारी वर्तिका सिंह सहित सम्बन्धित अधिकारीध्कर्मचारी व एनसीसी के छात्रध्छात्राएं तथा क्षेत्रीय निवासी उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

जनसुनवाई में जिलाधिकारी ने सुनीं शिकायतें

अमेठी। जनपद के कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित जनसुनवाई के दौरान जिलाधिकारी संजय चौहान ने आमजन की समस्याएं सुनीं और उनके त्वरित निस्तारण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। जनसुनवाई में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों ने भूमि विवाद, राजस्व, विकास, चिकित्सा तथा अन्य विभागों से संबंधित शिकायतें जिलाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत कीं। जिलाधिकारी ने प्रत्येक शिकायतकर्ता की समस्या को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त शिकायतों का निस्तारण निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण एवं पारदर्शी ढंग से सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा है कि आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान हो, इसलिए सभी अधिकारी जनसुनवाई में प्राप्त प्रार्थना पत्रों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित करें। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी शिकायत के निस्तारण में लापरवाही या अनावश्यक विलंब पाए जाने पर संबंधित अधिकारी की जिम्मेदारी तय की जाएगी। साथ ही अधिकारियों से कहा कि शिकायतकर्ता को निस्तारण की जानकारी भी उपलब्ध कराई जाए, ताकि लोगों का प्रशासन पर विश्वास और मजबूत हो।

'विश्व पर्यावरण दिवस पर जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, मुख्य विकास अधिकारी ने पौधरोपण किया पौधारोपण

अमेठी। जिलाधिकारी संजय चौहान, पुलिस अधीक्षक सरवणन टी व मुख्य विकास अधिकारी पूजा साहू ने आज विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर कलेक्ट्रेट परिसर में पौधरोपण कर जनपद वासियों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर उन्होंने जनपद वासियों से अपील करते हुए कहा कि इस वर्षाकाल में अधिक से अधिक पौधों को लगाएं और उनकी उचित देखभाल भी करें, पर्यावरण को सुरक्षित रखने के साथ–साथ स्वस्थ रहने के लिए हमारे जीवन में वृक्षों का अमूल्य योगदान है जीवन को सुरक्षित रखने के लिए हम सब अधिक से अधिक पेड़ लगाए और उसकी देखभाल भी करें। उन्होंने समस्त जनपद वासियों से एक पेड़ मां के नाम लगाने का आवाह्न किया। जिलाधिकारी ने अपने संदेश में कहा कि पौधारोपण करना एवं उनकी रक्षा करना हम सभी की सामाजिक जिम्मेदारी है पेड़–पौधों के बिना जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती, पौधे जब बड़े होते हैं तो फल, फूल एवं छाया सहित जीवन जीने के लिए ऑक्सीजन देते हैं। उन्होंने कहा कि सभी नागरिकों को अपने जीवन काल में अधिक से अधिक पौधे लगाने चाहिए। पर्यावरण संरक्षण का दायित्व प्रत्येक नागरिक का है हमारे पूर्वजों द्वारा लगाए गए वृक्षों का लाभ हमें मिल रहा है और जिसके कारण हमारे आसपास हरियाली दिख रही है पर्यावरण को बचाना हम सबकी महती जिम्मेदारी है पौधे लगाकर हम अपने वर्तमान के साथ ही भविष्य को भी संरक्षित करते हैं। उन्होंने समस्त जनपद वासियों से अपील करते हुए कहा कि इस वर्षा काल में अधिक से अधिक पौधे लगाने के साथ ही उनकी देखभाल भी करें, जिससे पर्यावरण संतुलन बना रहे। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व ज्योति सिंह, अपर जिलाधिकारी न्यायिक अमृता सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ अंशुमान सिंह, प्रभागीय वनाधिकारी रणवीर मिश्र सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस 06 जून को तिलोई में

अमेठी। जनपद स्तरीय ''सम्पूर्ण समाधान दिवस'' जिलाधिकारी संजय चौहान की अध्यक्षता में दिनांक 06 जून 2026 को तिलोई तहसील में आयोजित होगा एवं गौरीगंज तहसील में मुख्य विकास अधिकारी, अमेठी तहसील में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व तथा मुसाफिरखाना तहसील में अपर जिलाधिकारी न्यायिक की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित होगा।

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान से बदली सोमिल सिंह की जिंदगी।

अमेठी। "सही मार्गदर्शन, सरकारी योजनाओं का लाभ और दृढ़ संकल्प किसी भी व्यक्ति के जीवन की दिशा बदल सकता है।" यह बात जनपद अमेठी के निवासी सोमिल सिंह की सफलता की कहानी को देखकर सहज ही समझी जा सकती है। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के माध्यम से उन्होंने न केवल अपने लिए रोजगार का सृजन किया, बल्कि अन्य लोगों को भी रोजगार उपलब्ध कराने का सराहनीय कार्य किया है। जिलाधिकारी संजय चौहान ने कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने जनपद अमेठी में विभिन्न विभागों को निर्देशित किया है कि योजनाओं का व्यापक प्रचार–प्रसार किया जाए ताकि अधिक से अधिक लोग लाभान्वित हो सकें। जिलाधिकारी का कहना है कि जब कोई युवा स्वरोजगार स्थापित करता है, तो वह केवल अपने परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत नहीं करता, बल्कि समाज और क्षेत्र के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान देता

डीएम, एसपी व सीडीओ ने कलेक्ट्रेट परिसर में किया वृक्षारोपण

वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का लिया गया संकल्प

रायबरेली। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आज कलेक्ट्रेट परिसर में जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका, पुलिस अधीक्षक रवि कुमार एवं मुख्य विकास अधिकारी अंजुलता द्वारा वृक्षारोपण किया गया। इस दौरान सभी अधिकारियों ने पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन का संकल्प लिया गया। जिलाधिकारी ने इस अवसर पर कहा कि वृक्षारोपण का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण को शुद्ध एवं संतुलित बनाए रखना है। उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अधिक से अधिक पौधरोपण करना चाहिए, जिससे आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण मिल सके। पुलिस अधीक्षक एवं मुख्य विकास अधिकारी ने भी वृक्षारोपण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वृक्ष हमारे जीवन का आधार हैं और इनका संरक्षण हम सभी की जिम्मेदारी है। इसके पश्चात जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका ने विकास खण्ड राही अंतर्गत ग्राम कटिहार (भांव) में भी वृक्षारोपण किया तथा वृक्षारोपण स्थल का निरीक्षण कर जायजा लिया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) विशाल यादव, उपजिलाधिकारी सदर गौतम सिंह, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद स्वर्ण सिंह सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

उप्र पुलिस में नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती-२०२५ की लिखित परीक्षा सकुशल सम्पन्न कराने हेतु बैठक सम्पन्न

रायबरेली। जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका व पुलिस अधीक्षक रवि कुमार की संयुक्त अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में उ०प्र० पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड लखनऊ द्वारा उ०प्र० पुलिस में आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती–2025 की लिखित परीक्षा को शुचितापूर्ण, नकलविहीन, निर्विघ्न सम्पन्न कराने हेतु बैठक सम्पन्न हुई। जिलाधिकारी ने बताया कि उक्त परीक्षा 08, 09 व 10 जून 2026 को प्रत्येक दिवस को दो पाली में प्रथम पाली समय प्रातः 10:00 बजे से मध्यान्ह 12:00 बजे तक व द्वितीय पाली समय अपरान्ह 03:00 बजे से 05:00 बजे तक जनपद के 11 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जायेगी। जनपद में प्रत्येक पाली में कुल 3744 प्रत्येक दिवस दो पाली तीनों दिवस में अर्थात 06 पाली की कुल संख्या 22464 परीक्षार्थी प्रतिभाग करेंगे। प्रश्नगत परीक्षा के अवसर पर कानून एवं शांति व्यवस्था सुनिश्चित कराने एवं परीक्षा को शुचिता पूर्वक सम्पन्न कराने हेतु सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं प्रत्येक परीक्षा केन्द्र पर स्टैटिक मजिस्ट्रेट तैनात किये गये है। परीक्षा केन्द्र पर तैनात स्टैटिक मजिस्ट्रेट आवंटित परीक्षा केन्द्रों की भौगोलिक स्थिति की जानकारी ससमय अवश्य कर लेंगे और परीक्षा दिवस पर परीक्षा प्रारम्भ होने से पूर्व कम से कम 03 घंटा पहले अनिवार्य रूप से पहुंच जायेगें। परीक्षा केन्द्र पर अभ्यर्थियों की फ्रिस्किंग, सी०सी० टी०वी० कन्ट्रोल रूम इत्यादि का निरीक्षण करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रत्येक परीक्षा केन्द्रों पर यह सुनिश्चित कराया लिया जाये कि जहां पर अभ्यर्थियों की चेकिंग की जाएगी वहां पर छायादार स्थान हो, और पर्याप्त पेयजल की व्यवस्था हो। सेक्टर मजिस्ट्रेट अपने सेक्टर का भ्रमण कर आवागमन के मार्गों तथा विशेष परिस्थितियों में प्रयुक्त होने वाले वैकल्पिक मार्गों की जानकारी ससमय अवश्य कर लें। सेक्टर मजिस्ट्रेट परीक्षा के दौरान केन्द्र व्यवस्थापक से समन्वय बनाते हुए परीक्षा केन्द्र पर समस्त व्यवस्थाएं एवं औपचारिकताएं पूर्ण करायेंगे। केन्द्र व्यवस्थापक द्वारा तैनात सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टैटिक मजिस्ट्रेट, सहायक केन्द्र व्यवस्थापक, परीक्षा सहायक व कार्यदायी संस्था (गोपनीय), कार्यदायी संस्था (सुरक्षा), के प्रतिनिधि, तैनात पुलिस बल से समन्वय स्थापित कर अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को पूर्ण कराकर उ०प्र० पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड लखनऊ द्वारा निर्गत निर्देशों के अनुरूप ससमय अनुपालन कराते हुए परीक्षा को सकुशल सम्पन्न कराना सुनिश्चित करेंगे। सेक्टर मजिस्ट्रेटध्स्टैटिक मजिस्ट्रेट, उ०प्र० पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड लखनऊ द्वारा निर्गत निर्देशों का अक्षरशः त्रुटिरहित अनुपालन सुनिश्चित कराया जायेगा। बैठक में अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, जिला प्रबंधन परीक्षा संचालन डॉ0 श्रीकांत उपाध्याय, जिला विद्यालय निरीक्षक संजीव कुमार सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल सिंह सहित सम्बन्धित अधिकारीगण व सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टैटिक मजिस्ट्रेट, केन्द्र व्यवस्थापक आदि उपस्थित रहें।

जनविरोधी नीतियों के खिलाफ सड़क से सदन तक संघर्ष करेगी आम आदमी पार्टी: इन्द्रमोहन सिंह

रायबरेली। राज्यसभा सांसद एवं उत्तर प्रदेश प्रभारी आम आदमी पार्टी संजय सिंह के निर्देश पर शुक्रवार को प्रदेशव्यापी आंदोलन के तहत रायबरेली में विद्युत पावर हाउस के समक्ष धरना–प्रदर्शन आयोजित किया गया। इसके उपरांत जिलाधिकारी के माध्यम से महामहिम राज्यपाल उत्तर प्रदेश को संबोधित ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन को सिटी मजिस्ट्रेट राम औतार ने प्राप्त किया तथा सम्बन्धित तक पहुंचाने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम का नेतृत्व आम आदमी पार्टी के प्रांतीय उपाध्यक्ष इन्द्रमोहन सिंह ने किया। धरने को संबोधित करते हुए श्री सिंह ने प्रदेश सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि लगातार बढ़ती बिजली दरों, अघोषित बिजली कटौती और स्मार्ट मीटर की समस्याओं ने आम जनता का जीना दूभर कर दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार जनहित के मुद्दों पर पूरी तरह विफल साबित हुई है और जनता को राहत देने के बजाय आर्थिक बोझ बढ़ाने का कार्य कर रही है। वरिष्ठ आप नेता एवं ट्रांसपोर्ट यूनियन के अध्यक्ष राममोहन श्रीवास्तव 'रामू' ने कहा कि विपक्ष की जिम्मेदारी केवल सवाल उठाना नहीं, बल्कि जनता की आवाज को मजबूती से शासन तक पहुंचाना भी है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि बिजली व्यवस्था में सुधार नहीं किया गया, बढ़ी हुई दरें वापस नहीं ली गईं तथा स्मार्ट मीटर संबंधी शिकायतों का समाधान नहीं हुआ तो आम आदमी पार्टी प्रदेशभर में व्यापक जनांदोलन छेड़ेगी। उन्होंने कहा कि पार्टी सड़क से लेकर सदन तक जनता के अधिकारों की लड़ाई लड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। जिला उपाध्यक्ष सुरेश सिंह ने कहा कि प्रदेश में शिक्षा व्यवस्था और युवाओं का भविष्य लगातार संकट में है। प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक होने की घटनाओं ने लाखों युवाओं के सपनों को झटका पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि सरकार न तो बिजली व्यवस्था संभाल पा रही है और न ही युवाओं के भविष्य की सुरक्षा कर पा रही है। आम आदमी पार्टी शिक्षा, रोजगार और बिजली जैसे बुनियादी मुद्दों पर जनता के साथ खड़ी है तथा सरकार की जनविरोधी नीतियों का लोकतांत्रिक तरीके से विरोध जारी रखेगी। श्री सिंह ने कहा कि जनता से जुड़े मुद्दों पर सरकार को जवाबदेह बनाना लोकतंत्र की मूल भावना है और पार्टी प्रदेश की जनता के हितों की रक्षा के लिए अपना संघर्ष निरंतर जारी रखेगी। कार्यक्रम में प्रदेश सचिव विकास वर्मा, पूर्व जिलाध्यक्ष पुनीत सिंह जगधारी एडवोकेट, पी.के. सिंह, जिला महासचिव गोवर्धन पटेल, पूर्व जिला महासचिव नीरज, दीपक गुप्ता, नीतू सिंह, अनुज जायसवाल, देवेंद्र पाल, रवि द्विवेदी एडवोकेट, कृष्ण मनोहर मिश्र एडवोकेट, अमरेंद्र सिंह सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

पेपर लीक प्रतिभागियों की मौत का वारण्ट–ओपी यादव

रायबरेली। सेण्ट्रल बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष एवं वरिष्ठ समाजवादी नेता ओ0पी0 यादव ने नीट–यू0जी0 व सी0बी0एस0ई0 एवं सी0यू0टी0टी0–यू0जी0, लेखपाल परीक्षा में पेपर लीक व गड़बड़ी देश के भावी कर्णधारों के साथ क्रूर मजाक है। पेपर लीक प्रतिभागियों के लिए मौत का वारंट साबित हुआ। देश में रूलिंग रिजीम के तुकलकी फरमानों से उपजे आक्रोश का फरमान है कॉकरोच जनता पार्टी। सी0जे0पी0 को देशद्रोही के कठघरे में खड़ा कर सरकार द्वारा उनके एकाउन्ट बंद कराना, सरकार की हताशा का परिचायक है। चुनाव आयोग की मनमानी व आतंक से पश्चिम बंगाल के चुनाव के परिणाम प्रभावित करना नीट के पेपर लीक होना व सी0जे0आई0 द्वारा नवयुवकों को कॉकरोच कहना यह साबित करता है कि संवैधानिक संस्थाएं नवयुवकों का अपमान कर रही हैं। इसी पीड़ा से व्यथित होकर कॉकरोच जनता पार्टी का जन्म हुआ। कॉकरोच जनता पार्टी न कोई राजनैतिक दल है न कोई आन्दोलन है, बल्कि देश के युवाओं के आक्रोश की आवाज है। सरकार को चाहिए कि नवयुवकों के आवाज को समझे और उनकी समस्या के समाधान का रास्ता निकाले न कि उनकी आवाज को दबाने के लिए दमनात्मक रास्ता अपनाये। नीट पेपर लीक के लिए सीधे तौर पर देश के केन्द्रीय शिक्षा मंत्री जिम्मेदार है और सरकार वजीर को बचाने के चक्कर में प्यादों पर कार्यवाही कर रही है। श्री यादव ने महामहिम राष्ट्रपति से मांग की है कि 6 जून 2026 को कॉकरोच जनता पार्टी के प्रस्तावित शांतपूर्ण प्रदर्शन में किसी प्रकार का व्यवधान न होने दें एवं केन्द्रीय शिक्षा मंत्री को अविलम्ब बर्खास्त करें।

उद्यान मंत्री ने विश्व पर्यावरण दिवस पर किया वृक्षारोपण

रायबरेली। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मा० राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार तथा कृषि निर्यात, उ०प्र० सरकार, दिनेश प्रताप सिंह द्वारा गुरू गोविन्द सिंह पर्यावरणीय उद्यान एवं पार्क, रायबरेली में ''एक पेड़ मां के नाम'' अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर पर मा० उद्यान मंत्री ने कहा कि वृक्ष हमारे जीवन का आधार हैं और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि सभी लोग अधिक से अधिक वृक्ष लगाएं तथा उनकी नियमित देखभाल भी सुनिश्चित करें, ताकि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण मिल सके। उन्होंने कहा कि ''एक पेड़ मां के नाम'' अभियान न केवल पर्यावरण संरक्षण का संदेश देता है, बल्कि यह भावनात्मक रूप से भी लोगों को प्रकृति से जोड़ने का कार्य करता है। इस प्रकार के अभियानों से समाज में जागरूकता बढ़ेगी और हर व्यक्ति वृक्षारोपण के प्रति प्रेरित होगा। इस मौके पर उपायुक्त श्रमध्रोजगार प्रमोद सिंह, जिला विकास अधिकारी वर्षा सिंह, उप निदेशक उद्यान लखनऊ मण्डल, लखनऊ डॉ० डी0के0 वर्मा, जिला उद्यान अधिकारी डॉ० जय राम वर्मा, जिलाध्यक्ष भाजपा बुद्धिलाल पासी, देवेन्द्र सिंह सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी एवं आम जनमानस उपस्थित रहे। सभी ने वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर किया वृक्षारोपण

रायबरेली। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर केंद्रीय विद्यालय के सामने स्थित जजेस कालोनी, रायबरेली में पौधारोपण किया गया। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रभारी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अमित मिश्रा के द्वारा बताया गया कि मानव और प्रकृति का गहरा नाता है। जहां प्रकृति है, वहां जीवन है और जब इसी प्रकृति को क्षति पहुंचती है तो जीवन पर भी असर पड़ता है। प्रकृति मानव के स्वस्थ जीवन के लिए बहुत कुछ देती है। बदले में मानव पर्यावरण दूषित करता है और प्रकृति का दोहन करता है। जिससे समय के साथ पर्यावरण व प्रकृति नष्ट होती जा रही है। कई तरह की प्राकृतिक आपदाओं का कारण भी पर्यावरण बन सकता है। इसे संरक्षित और सुरक्षित रखने के लिए 5 जून को हर साल पर्यावरण दिवस मनाते हैं। जीवनदायिनी धरती को रहने योग्य बनाने के लिए पेड़ पौधों के जीवन को बचाने और पर्यावरण प्रदूषण के कारकों को कम किया जा सकता है। इस अवसर पर प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय भूपेन्द्र राय, प्रभारी जनपद न्यायाधीश कुशल पाल, नोडल अधिकारी लोक अदालत प्रतिमा, अपर जिला जज गुणेन्द्र प्रकाश, पल्लवी प्रकाश, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट पवन कुमार सिंह व अन्य न्यायिक अधिकारीगण व कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जागरूकता शिविर का आयोजन सम्पन्न

रायबरेली। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के प्रभारी सचिव अमित मिश्रा के निर्देशानुसार आज 05 जून 2026 को विश्व पर्यावरण दिवस पर के अवसर पर तहसील सदर के अंतर्गत ग्राम सुरज कुंडा के पंचायत भवन में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर विशेष विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन संपन्न हुआ। इस जागरूकता शिविर में उपस्थित ग्राम वासियों को पराविधिक स्वयंसेवक पवन कुमार श्रीवास्तव द्वारा बताया गया कि विश्व पर्यावरण दिवस हर साल 5 जून को मनाया जाता है। इसका उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना और इसके लिए कदम उठाना है। इसकी शुरुआत 5 जून 1972 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा की गई थी। इस जागरुकता कार्यक्रमों के माध्यम से हम अपने पर्यावरण से संबंधित मुद्दों के प्रति जागरूक होते हैं और अपने बेहतर भविष्य के लिए इसे सुरक्षित रखने का संकल्प लेते हैं हमें जीवन भर अपने पर्यावरण की देखभाल करनी चाहिए यह तभी संभव है जब हम सचेत रहें और अपने भीतर और पर्यावरण में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए सक्रिय रहे पर्यावरण से हमें ताजी हवा स्वच्छ जल और जीवन के लिए भोजन प्रदान करता है। दुख की बात है कि हम प्रदूषण और कचरे से अपनी पृथ्वी को नुकसान पहुंचा रहे हैं लिए हम सब मिलकर पेड़ लगाने प्लास्टिक का कम उपयोग करने और आसपास को स्वच्छ रखने का संकल्प ले। इस जागरुकता कार्यक्रम में पंचायत सेक्रेटरी सर्वेश कुमार वर्मा द्वारा बताया गया कि एक पेड़ मां के नाम सभी लोग एक–एक पेड़ लगाए, जिससे पर्यावरण संतुलित रहेगा जागरुकता कार्यक्रम में पराविधिक स्वयंसेवक अजीत कुमार द्वारा मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यों की जानकारी दी गई। इस जागरुकता शिविर में ग्राम प्रधान दीपू कुमार रावत, पंचायत सहायक प्रदीप कुमार एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे। अंत में पंचायत भवन मे वृक्षारोपण भी किया गया।